॥ ओ३म्॥

श्रथ वेदांगप्रकाशः

नघराटु

प्रकाशक—

आर्य माहित्य मएडल लि॰, अजमेर

り、よっ、いのか、ような人人の人人の人人

॥ ओ३म् ॥ अथ वेदाङ्गपकाशः 🖈 तत्रत्यश्चतुर्शो भागः 🖈 निघएदुः यास्कमुनिंनमितो वैदिककोषः श्रीमत्स्वामिदयानन्दसरस्वतीकृतशब्दानुक्रमणिकया सहितः श्रीपण्डितयुधिष्ठिरमीमांसकेन संशोधित: पठनपाठनव्यवस्थायां षोडशं पुस्तकम् प्रकाशक श्रार्थ साहित्य मगडल लिमिटेड, अजमेर

प्रकाशक:-

भार्यं साहित्य मण्डल तिः स्रजमेरः

सुद्रकः--

शिरोशचन्द्र शिवहरे, एम. ए., दी फाइन आर्ट प्रिंटिंग प्रेस, अजमेर.

विषयसूचीपत्रम् ॥

विषयः			do	фo	वि	विषय:			io.
	प्रथमाऽध	पाये			खरा	3			
खग्डे	3				2	TI-KIL-ILIY			. Charge
8	. पृथिवीनाम	.4	3	3	~	मनुष्यनाम		१५	
2	हिरण्यनाम	••••	3	9	8	बाहुनाम	••••	१४	8 X.
3	ग्रन्तरिक्षनाम	••••	3	80	X	श्रंगुलिनाम	••••	१६	8
8	साधारणनाम			777	Ę	कान्तिकर्मा	••••	१६	Ę
×			. 20	9	9	श्रन्नाम	••••	१६	80
	दिशो नाम			×	5	ग्रत्तिकर्मा	••••	१७	8
			80	9	3	बलनाम	••••	१७	8
			१०		१०	धननाम	••••	१७	3
3	ग्रहर्नाम		20		88	गोनाम	••••	१७	84
80	मेघनाम		88		१२	ऋ ध्यतिकर्मा	••••	१७	9
88	वाङ्नाम	••••	88	9	१३	कोधनाम	••••	१5	8
83	उदकनाम	••••	23		88	गतिकर्मा	••••	१=	8
83	नदीनाम	••••	83	×	१५	क्षिप्रनाम	••••	२०	8
88	ग्रश्वनाम		83	??	१६	ग्रन्तिकनाम	••••	२०	(9)
१५	म्रादिष्टोष योज	नानि	न१४	8	१७	संग्रामनाम	••••	20	8
2 4	ज्वलतिकर्मा	••••	88	×	१5	व्याप्तिकर्मा	••••	28	Ę
	ज्वलतो नाम			1		बधकर्मा			3
	द्वियीयाध	याये		२०	वज्रनाम		22	3	
8	कर्मनाम	••••	१४	2	28	ऐश्वर्यकर्मा	••••	22	9
2	ग्रपत्यनाम	••••	2 %	9	22	ईश्वरनाम	••••	42	8

विषयसूचीपत्रम्

									*		
F	वेषय:		Ão	पं०	वि	षय:		Ão	ġo		
सर्व	}				खस्डे				÷	r	
	तृतीयाध	याये									
8	बहुनाम	••••	73	2	22	स्वपितिकर्मा	••••	२७	80	j	
2	ह्रस्वनाम	••••	२३	×	२३	कूपनाम	••••	२७	£\$.		7
3	महन्नाम		23	5	38	स्तेननाम	****	२७	8 %		
*		••••	23	88	२४	श्रन्तिहतनाम		२८	8	ς.	
¥	परिचरणकम				२६	दूरनाम	••••	25	3		
Ę	सुखनाम		28	8	२७	पुरागानाम	••••	२=	×		
•	रूपनाम	••••	28	5	२८	नवीननाम	••••	२६	9		
5	प्रशस्यनाम	••••	28	23	35	उत्तरपदनाम	••••	२६	3		
3	प्रज्ञानाम		28		30	द्यावापृथिवीन	गम	25	88		
20	सत्यनाम		28	7.		चतुर्थाध्य	याये	171			
18	पश्यतिकर्मा	••••	२४	8	9				_		
??	सर्वपदसमाम्नर	T	२५	x	2	पदनाम		30	~		
23	उपमानाम	••••	२५	9	>	पदनाम		30	१२		
38	अर्चतिकर्मा	••••	24	28	3	पदनाम		38	9	A	
2 %	मेधाविनाम	••••	२६	8		पश्चमाध	याये			1	
25	स्तोतृनाम	••••	२६	3	8	पदनाम		33	2		
20	यज्ञनाम	••••	२६	22	2	पदनाम	••••	33	. 3	-	
१५	ऋत्विङ्नाम	••••	२६	१४	3	पदनाम	••••	33	Ę	4	
35		••••		8	8	पदनाम		33			
20	दानकर्मा	••••	03	×	¥	पदनाम		33			,
78	ग्रध्येषगाकर्मा	••••	20	5	Ę	पदनाम	••••		Ę		
					18			202	1		

निघण्डुवैदिककोशः

अथास्य भूमिका

यह प्रनथ ऋग्वेदी लोगों के पिठतव्य दश प्रनथों में है। विशेष कर वेद और सामान्य से लौकिक प्रनथों से भी सम्बन्ध रखता है। यह मूल और इसका भाष्य 'निरुक्त' यह दोनों प्रनथ यास्कमुनिजी के बनाये हैं। सदा से चले आने से प्राचीन हैं। इसको बहुत पुस्तकों से मिलाकर जो जो पुस्तकान्तरों में विशेष शब्द पाये वे नोट में धर दिये हैं। आकारादिशब्दकम से इसकी शब्दानुक्रम-िण्का भी बनाकर छपवाई है कि जिससे जिस शब्द को देखना चाहै मिटित देख सकता है।

इसमें पांच अध्याय हैं। इसके प्रथम अध्याय में १० खएड, द्वितीयाध्याय में २२, तृतीयाध्याय में ३०, चतुर्थाध्याय में ३ और पश्चमाध्याय में ६ खएड हैं। इसकी शब्दानुक्रमिएका में प्रथम कोष्ठ में अकारादि शब्द और द्वितीय में जिसका नाम है, लिखा है। तृतीय अङ्क से अध्याय और चतुर्थ से खएड समभना। परन्तु यह सब शब्द वेद में यौगिक और योगकृदि आते हैं, केवल कृदि नहीं। इसमें जो पदनाम हैं वे पदधातु के गत्यर्थ अर्थात् ज्ञान, गमन, प्राप्त्यर्थ के वाचक होकर यौगिक हो जाते हैं।

यह प्रनथ सर्वत्र उपलब्ध नहीं था, श्रब छपने से प्राप्त होने लगा है। इससे बड़ा उपकार यह होगा, कि जो पुराणवालों ने श्रिथं का श्रनर्थ किया है, सो इन श्राष्प्रम्थों से निवृत्त होकर सब के श्रातमा में सत्य का प्रकाश होगा। निदर्शन—जैसे—पुराणी लोगों ने वृत्र, शम्बर और असुर शब्द से दैत्य, निघगटुं में—मेघ।
पु०—श्रहि० शब्द से सपं, नि०—मेघ। पु०—श्रद्री, गिरि तथा
पर्वत से केवल पहाड़, नि०—मेघ। पु०—श्रद्रमा, प्रावा शब्दों से
पाषागा और नि०—मेघ। पु०—वराह से सुश्रर, नि० मेघ। पु०—
धारा से जल का प्रवाह, नि०—वाणी। पु०—गौरी से महादेव की
स्त्री, नि०—वाणी। पु०—कर्मकाएडी 'स्वाहा' शब्द से श्रिप्त की स्त्री
और स्वधाशब्द से पितृ की स्त्री, नि०—स्वाहा से वाणी और स्वधा
से अन्न। पु०—शची शब्द से इन्द्र की स्त्री, नि०—में वाणी, कर्म
श्रीर प्रज्ञा का नाम है।

पुराणी लोग—शचीपित शब्द से देवों का राजा इन्द्र, श्रीर वेद में—वाणी, कमें श्रीर प्रज्ञा का पालन करनेहारा खामी लिया जाता है। पु०—गय शब्द से एक मृतकों के श्रर्थ पिण्डप्रदानार्थ खानिवरोष, श्रीर निघण्ड में— श्रपत्य, धन श्रीर गृह का नाम है। पु०—धृताची शब्द से देवलोंक की वेरू विशेष स्नी, श्रीर निघण्ड में—रात्रि का नाम है। श्राज कल के लोग विप्र शब्द से केवल बाह्मण, श्रीर निघण्ड में—बुद्धिमान का नाम है। पु०—श्रद्धा से प्रीति श्रीर श्राद्ध से मृतकों की तृप्ति मानते हैं, श्रीर निघण्ड में—श्रत् शब्द से सत्य श्रीर जिस किया से सत्य का प्रहण हो वह श्रद्धा, श्रीर जो इससे धर्मयुक्त कर्म किया जाय सो श्राद्ध कहाता है।

श्रव कहां तक लिखें, मनुष्य लोग जब इस कोश को पढ़ेंगे, तभी नवीन पुराणादि प्रन्थों का मिध्यापन श्रीर वेदों का सत्यत्व तथा वेदों के श्रर्थ करने में प्रवृत्ति श्रपने श्राप हो जायगी, तब तक वेदार्थ में प्रवृत्ति नहीं होती श्रीर व्याकरणादि पढ़ना निष्फल है।

यद्यपि जहां तहां यनत्रालयों में निघएदु छपा है, तथापि इसके छापने का मुख्य प्रयोजन यही कि अकारादिशब्दक्रम से इसके

साथ शब्दानुक्रमणिका ठिकाने के सिहत छपवा दी है कि जिस शब्द को निकालना चाहें, उसको शब्दानुक्रमणिका के अनुकूल देख के शीव्र निकाल लेवेंगे। इससे जिसको प्रन्थ कण्ठस्थ न होगा वह भी शब्दानुक्रमणिका से लाभ ले सकेगा। अलमतिविस्तरेण बुद्धि-मद्वर्येषु।।

इति भूमिका समाप्ता ॥

निधि(९)रामा(३)ङ्क(९)चन्द्रे १)ब्दे मार्गशीर्षसितं दले। चतुथ्या गुरुवारेऽयं निघएदः शोधितोऽनघाः॥१॥ श्रीमन्महामहिमविक्रमभूपतेरैकोनचत्वारिंशदुः-एकोनविंशतितमे संवत्सरेयन्त्रणाय मुनिवर-यास्कमुनिनिर्मितः सशब्दानुक्रमणिको निघएदः प्रेषितः॥

स्थान— महारागाजी का उद्यपुर

दपातन्यस्यस्य

॥ अथ निघराटुः॥

प्रथमोऽध्यायः॥

गौः। गा। जा। इमा। आ। खमा (१)। छोणिः (२)। छितः। ग्रवनिः। उर्वी। पृथ्वी। मही। रिपः (३)। ग्रदितिः। इळा। निर्म्होतः। भूः। भूमिः। पूषा। गृतः। ग्रोत्रा। इत्येक-विश्रतिः पृथिवीनामधेयानि॥१॥

हेम (४)। चन्द्रम्। रुक्मम्। अर्थः। हिरंण्यम्। पेर्शः। रुर्शनम्। लोहम्। कनकम्। काञ्चनम्। भर्मे। श्रमृतम्। स्रुत्। दर्शम्। जातरूपम्। इति पश्चदश हिरण्यनामानि ॥२॥

श्रम्बरम् । वियत् । व्योम । वहिः । धन्वं । श्रम्तारिक्षम् । श्राकाशम् । आर्पः । पृथिवी । भूः । स्वयम्भूः । अध्वा । पुष्करम् । सर्गरः (५) । समुद्रः । श्रध्वरम् । इति षोडशान्तरिक्षनामानि ॥३॥

स्वः। पृथ्निः। नार्कः (६)। गौः। विष्टपम्। नभः। इति षट् साधारणानि॥ ४॥

⁽१) इत्यस्य स्थाने "चुमः, चामा, चामः, चामं" इति चत्वारः शब्दाः पुस्तकान्तरेषु क्वचित् क्वचित् दश्यन्ते ॥ (२) कृदिकारादोक्कनः (गणपाठ १।१।११) इति ङीषि सति "चोणी" इत्यपि भवति ॥ (३) स्वरभेदेन "रिपः" इत्यपि पु० २ दश्यते ॥ (४) "हेमाः" इत्यपि पु० २॥ (५) "सगरम्" इति खिङ्गभेदेन पुस्तकान्तरपाठः ॥ (६) "नाकाः" इति बहुवचनानाः क्वचित् ॥

खेर्दयः। किरणाः। गार्वः। रुक्तमर्यः (१)। श्रभीश्वः। दीर्घितयः (२)। गर्भस्तयः। वनम्। उन्नाः। वस्वः। मुरीचिपाः। मुयूबाः। सप्त ऋषयः। साध्याः। सुपुर्णाः। इति पञ्चदश रिमनामानि॥ ५॥

आताः। आशाः। उपराः। श्राष्ठाः। काष्ठाः। व्योम। कुकुभः। हरितः। इत्यष्टौ दिङ्नामानि॥६॥

इयावीं। श्रापा। शर्वरी । श्राकुः । ऊम्यीं । राम्यां (३)। यम्यां। नम्यां। दोषां। नक्तां। तमः। रजः। श्रासिक्री । पर्य-स्वती। तमस्वती। घृताचीं। शिरिणा (४)। मोकीं। शोकीं। ऊर्थः (५)। पर्यः। हिमा (६)। वस्वीं (७)। इति अयोविंशती रात्रिनामानि॥ ७॥

विभावरी । सूनरी । भारवंती । भोदंती । चित्रामंघा। अर्जुनी । वाजिनी । वाजिनीवती (८)। सुम्नावरी । श्रह्ना । द्योत्ना । श्वेत्या । अर्थवी (९)। सुनृता । सुनृतांवती । सुनृतांवरी । स्रा

वस्तोः। द्युः (१०)। भानुः। वासरम्। स्वसंराणि। धूसः। धर्मः। प्रूणः (११)। दिनंम्। दिवां। दिवेदिवे। द्यविद्यवि। इति द्वादशाहर्नामानि॥९॥

⁽१) "र्श्म्यः" इति ङीषि सित पु०२॥ (२) "दिधीतयः" इत्यपि पुस्तकान्तरपाठः।(३) "रम्या" इति पाठः॥(४) "श्रीणा" इत्यपि पु०२॥ (५) "डधा" इत्यपि पु०२॥ (६) "हिम" इत्यपि पु०२॥ (७) "वसं, वस्तां, वसी" इत्यपि पु०२॥ (८) "वाजिनिवती" इत्यपि पु०॥ (९) "अरूषी" इत्यपि पु०(१०) "खीः" इति पा०॥ (११) "घृणिः" इत्यपि पु०॥

अद्भिः। प्रावां। गोत्रः। बुलः। अश्नैः। पुरुभोजाः। बुलिग्रानः (१)। अश्मो। पर्वतः। गिरिः। वृजः। बुरः। बुराहः।
शम्बरः। रौहिणः। रैवतः। फुलिगः। उपरः। उपलः। चुमुसः। अहिः। श्रुभ्रम् (२) बुलाहुकः। मेर्घः। हतिः (३)।
श्रोदनः (४)। वृषंन्धः (५) बृतः। असुरः। कोर्शः। इति
त्रिंशन्मेघनामानि॥ १०॥

क्लोर्कः। घारा। इळां। गौः। गोरी । गान्धवीं। गुभीरा।
गुम्भीरा। मन्द्रा। मन्द्राजनी। वाणीं। वाणीं। वाणीं।
वाणः। पविः। भारती। धुमिनः। नाळीः (६)। मोळः। मेना।
सूर्या। सरंस्वती। निवित्। स्वाहां। वुग्तुः (७)। उपविदः।
मायुः। काकुत् (८)। जिह्ना। घोषः। स्वरः। शब्दः। स्वनः।
ऋक्। होत्रा। गीः। गार्था। गणः (९) घेनां। गनाः। विपा
(१०)। नना। कर्रा। धिषणा। नौः। ग्रुश्नरम्। मही। आदितिः।
राची। वाक्। ग्रुनुषुप्। धेनुः। वल्गुः (११)। गुल्दा (१२)।
सरंः (१३)। सुपूर्णी (१४)। बेकुरा (१५)। इति सप्तपश्चाराद् वाङ्नामानि॥ ११॥

⁽१) "प्रशंनः प्रणानः" इमाविष क्वचित् ॥ (१) "अभ्वम्" इति पु०॥ (१) "दिन्तः" इति च पु०॥ (१) "अोदनम्" इति नपुंसकम् पु०॥ (१) "विश्वन्धः" इत्यपि पु०॥ (६) "नािलः नीिलः" इमी क्वचित् ॥ (७) "गुग्नुः" इति क्वचित् ॥ (८) "काकुप्" इति पु०॥ (१०) "न्गनः" इति पु०॥ (१०) "न्गनः" इति पु०॥ (११) "गुल्दः गुलदंः" इमी पु०॥ (११) "गुल्दः गुलदंः" इमी पु०॥ (१३) "रसंः रासंः" इमी च पु०॥ (१४) "सुप्णां" इति च पु०॥ (१४) "वेकु" इति पु०॥

अर्णः। श्रोदंः। श्रद्मं (१)। नर्भः। अर्म्भः। कर्बन्धम् (२)। स्राक्टिलम्। वाः। वनम्। घृतम्। मधुं। पुरीषम्। पिष्पलम्। श्रुरिस्। विषम्। रेतः। कर्शः (३)। जन्मं (४)। वृष्कम्। ख्रुरिस्। विषम्। रेतः। कर्शः (३)। जन्मं (४)। वृष्कम्। ख्रुरिस्। वृद्धम् (५)। धृश्लम् (६)। धृरुर्णम्। धिरा (७) श्रुरिन्द्रानि (८)। धृरुम्नवत्। ज्ञामि (९)। आर्युधानि। श्रुपः। अहिः। श्रुश्लर्म् (१०)। स्रोतः। तृप्तिः। रसः। ध्रुर्वकम् (११)। प्रयःश्च। सरः। भृषजम्। सहः। श्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। श्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। ध्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। स्रुर्वनम्। सर्वनम्। स्रुर्वनम्। सर्वनम्। सर्वनम्यानम्। सर्वनम्। स

⁽१) "चर्चा, चर्चाः, चन्मं" इमे त्रयः पु०॥ (२) "कर्वन्धम्" इति वकारभेदेन क्वचिद् दश्यते॥ (३) "श्रुक्रम्" पु०॥ (४) "ब्रह्मं जह्मं" इमावस्येव स्थाने पु० दश्यते॥ (५) "ब्रुर्बुरम्, ब्रुर्बुरः" इमो च प्र्ववत्॥ (६) "सुचेमा, सुचोमं" एतो च॥ (७) "सुरा, सूरा" इति पु०॥ (८) "श्रुरारेदोनि" इति पु०॥ (९) "ज्ञामिः, ज्ञामिवत्" इति पु०॥ (१०) "श्रुचरंः, श्रुचराः" इति पाठान्तरम्॥ (११) "पर्यः" इत्यपि पु०॥ (१२) "यादः" इति क्वचित् पु०॥ (१३) "स्वर्णांकम्" इति पु०॥ (१६) "सत्तिकम्, स्मृतीकम्" इति पु०॥ (१५) "स्वर्तिकम्" इति पु०॥ (१६) "ग्रुम्भीरम्" इति पु०॥ (१७) "ग्रुह्ररम्" इति पु०॥ (१८) "क्म्भीरम्" इति पु०॥ (१८) क्यां इति पु०॥ (१८)

हेम (१)। स्वः। सर्गाः। शम्बरम्। अभ्वम्। वर्षः। अभ्वं (२)। तोयम्। तूर्यम्। कृषीटम् (३)। शुक्रम्। तेजः। स्वधा। वारि। ज्ञलम्। ज्ञलाषम्। इदम्। इत्येकशतमुदकनामानि॥१२॥

श्रुवर्तयः । युव्याः (४) । खाः । स्रोराः । स्रोत्याः । पुन्यः । धुनंयः । ठुजानाः । बुक्तणाः । खादोअणीः । रोधंचकाः । हुरितः । स्रारितः । श्रुप्रुवः । नुभन्वः (५) । बुध्वः । हिर्रण्यवणीः । रोहितः । स्रुप्तः । अणीः । सिन्धंवः । कुल्याः । वृधः (६) । उद्धः । इरान्वत्यः । पार्वत्यः (७) । स्रवन्त्यः (८) । ऊर्जस्वत्यः । पर्यस्वत्यः । सर्रस्वत्यः । तर्रस्वत्यः । हर्रस्वत्यः । रोधंस्वत्यः । भास्वत्यः । श्रुजिरा । सातरः । नुद्यः । इति सप्तित्रंशस्विनामानि ॥ १३ ॥

अत्यः। हयः। अवीं। वाजी। सितिः। विद्वः। सुधिकाः। दिधिकावा। एतंग्वः (९)। एतंशः। पद्धः। दौर्गहः। ग्रीच्वेश्रवः सः (१०)। ताक्ष्यः। ग्राह्यः। ग्राह्यः। ग्राह्यः। ग्राह्यः। ग्राह्यः। ग्राह्यः। गर्श्वः। पद्धः। ग्राह्यः। नरः। ग्राह्यार्थः (१२)। इयेनासः। सुपर्णाः। प्रकृतः। नरः। ह्वार्थाणाम् (१३)। हंसासः। अर्वाः। इति षड्विंशति-रश्वनामानि॥ १४॥

⁽१) "हेमा" इति पु० (२) "अम्बुः" इति लिङ्गभेदेन क्वचित् ॥ (३) "तृपीटम्, नृपीटम्" इति पुस्तकान्तरपाठः ॥ (४) "यह्वयः" इति पु० ॥ (५) "नुभुन्वाः" इति मात्राभेदेन पु० ॥ (६) "ऋतांवर्यः" इति पु० ॥ (७) "वार्वत्यः, अवत्यः" इमो पा०॥ (८) "रेवत्यः" इति पु० ॥ (९) "एतंग्वा" इति पु० ॥ (१) "एतंग्वा" इति पु० ॥ (१) "मश्चतो मश्चतुः" इति पा०॥ (१२) "क्यथ्यंयः" इति पा०॥ (१३) "वार्यास्योम्" इति पा०॥ (१२) "वार्यास्योम्" इति पाठान्तरम् ॥

हर्। इन्द्रंस्य । रोहितोऽग्नेः । हरितं आदित्यस्य । रासं-भाविश्वनोः । श्रुजाः पूष्णः । पृषत्यो मुरुताम् । अर्हण्यो गार्व ष्रषसाम् । द्यावाः संवितः । विश्वसंपा बृह्स्पतेः । नियुतो वायोः । इति दशाऽदिष्टोपयोजनित ॥ १५ ॥

आर्जते। आर्शते (१)। आर्थिति। द्वीदयिति। शोचिति। मन्दते। भन्दते। रोचते। द्योतिते। ज्योतिते। द्युमत्। इत्ये-कादश ज्वलतिकर्माणः॥ १६॥

ज्ञमत्। कल्मलीकिनम्। जञ्ज्जणभवन् । मल्मलाभवन् । श्रार्चिः। शोचिः। तपः । तर्जः (२)। हरः। घृणिः (३)। श्रङ्गाणि। इत्येकादश ज्वलतो नामधेयानि॥ १७॥

गौर्हेमाम्बरं स्वः खेद्य आताः इयावी विभावरी वस्तोरद्रिः इलोकोऽणोऽवनयोऽत्यो हरी[न्द्रस्य आजते जमदिति सप्तद्शा।

इति निघण्टौ प्रथमाध्यायः समाप्तः॥

⁽१) ''भ्लाश्यति, भ्लाशते, भ्लाश्यते'' इसे पुस्तकान्तरेषु दृश्यन्ते॥ (२) ''पयः'' इति पु०॥ (३) ''हणिः, ह्रणिः'' इति पाठभेदः॥

अथ द्वितीयाध्यायारमः॥

-:0:---

अर्थः। अर्थः। दंसः। वेर्षः। वेर्षः (१)। विष्ट्वी। वृतम्। कर्वरम्। शक्मं (२)। क्रंतुः। कृष्णंम् (३)। करणानि। करांसि। कर्रन्ती (४)। करिकत्। चक्रत् (५)। कर्वम् (६)। कर्तीः। कर्तवै। कृत्वी। धीः। शची। शमी। शमी। शक्तिः। शिल्पम्। इति पड्विंशतिः कर्मनामानि॥१॥

तुक्। तोकम्। तनयः (७)। तोकम्। तकम्। शेषः। अप्तः। गर्यः। जाः। अपत्यम्। यहः। सूनुः। नपात्। प्रजा।

वीजम्। इति पञ्चद्शापत्यनामानि ॥ २॥

मनुष्याः । नरः (८) । धवाः । जन्तवः । विशेः । क्षितयः । कृष्टयः । चर्षणयः । नर्षुषः (९) । हर्रयः । मर्याः । मर्ताः । मर्ताः । वाताः । तुर्वशाः । दुद्यवः । श्रायवः (१०) । यदंवः । अनेवः । पुरवः । जगतः । तुर्श्यः । पञ्चजनाः । विवस्वन्तः । पृतनाः । इति पंचविंशतिर्मनुष्यनामानि ॥ ३॥

श्रायती। च्यवाना। श्रभीश्रं। अप्तवाना। विनुङ्गृसौ। गर्भस्ती। कुर्स्नौ। बाहू। भुरिजौ। क्षिपस्ती (११)। शकरी। भरित्रे। इति द्वादश बाहुनामानि॥ ४॥

⁽१) "वेशः, विष्टी" इति पुस्तकान्तर०॥ (२) "शर्म, शक्मम्" अस्यैव भेदः पु०॥ (१) "कर्रणम्" इति पु०॥ (१) "क्र्यन्त" इति पु०॥ (१) "च्कृतः" इति पु०॥ (१) "कर्त्तम्" इति पाठभेदः॥ (७) "तनयम्" इति लिङ्गभेदेन क्वचित् पु०॥ (८) "नराः इति पुस्तकान्तरेषु॥ (९) "नहुषाः" इति वचनभेदेन क्वचित् पाठः॥ (१०) "श्रयवंः" इति पु०॥ (११) "चिपती, जिपन्ती" इति पु०॥

श्रुवं: । श्रुग्वं: (१) । विद्याः (२) । क्षिपं: । द्यायाः । र्यानाः । धीतयं: । श्रुथ्येः (३) । विपं: । कृक्ष्याः । श्रुवन्यः । हृित्यः (४) । स्वसारः । ज्ञामयः । सनाभयः । योक्राणि । योजनानि । धुरं: । द्याखाः । श्रुभीशंवः । दीधितयः । गर्भस्तयः (५) । इति द्वाविंशतिरङ्गुलिनामानि ॥ ५॥

विश्वमा । उश्मासं (६)। वेति । वेनित । वेसित (७)। वाञ्छंति । वाष्ट्रं (८)। वनोति । जुर्षते । हथैति (९)। आचंके । उशिक् । मन्यंते । छन्तसंत् (१०) चाकनंत् । चक्रमानः । कनंति । कानिषत् । इत्यष्टादश कान्तिकर्माणः ॥६॥

अन्धः (११) । वार्जः । पर्यः । प्रयः (१२) । पृक्षः । पितः । सुतः (१३) । सिर्नम् (१४) । अर्वः । क्षु (१५) । धासिः । इर्गः । इर्वा । इर्षम् । ऊर्क् । रसः । स्वधा । क्रुकः । वर्षः (१६) । नेर्मः । सुसम् । नर्मः । आर्युः । सुनृतां । अर्द्धा । वर्षः । क्षिलालम् । पर्शः । इत्यष्टाविंशतिरन्ननामानि ॥७॥

⁽१) "विश्राः" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (२) "वृद्धाः" इति पाठान्तरम्॥ (३) "श्रुथ्यवः, श्रुथ्याः" इति पाठान्तरम्॥ (४) "ग्रोहितः" इति क्वाचित् पाठः॥ (५) "सुहस्त्यः, सुस्नुतः" अस्यैव स्थाने इमी लम्येते पु०॥ (६) इतोऽप्रे "श्रवंवेति" इत्यधिकं पुस्तकान्तरेषु॥ (७) "विसति, वेशति" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (८) "वेष्टि" इति क्वाचित् पु०॥ (९) "द्ध्यात्ति, व्शत्" इमावधिकौ पुस्तकान्तरेषु॥ (१०) "श्रासनत्" इति पु०॥ (११) "पार्जः" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१२) "श्रवंः" इति क्वाचित् पु०॥ (१३) "स्नुतम्" इति लिङ्गभेदेन दश्यते॥ (१४) "सीनम्" इति पु०॥ (१५) "स्नुतम्" इति लिङ्गभेदेन दश्यते॥ (१४) "सीनम्" इति पु०॥ (१५) "स्नुतम्" इति पु०॥ (१५) "स्नुतम्" इति पु०॥ (१५) "स्नुतम्" इति पु०॥ (१५) "स्नुतम्" इति पु०॥

आवंपति। भवंति। बभंस्ति। वेति । वेवेष्टि। ऋष्टियम्। बप्सति। भसर्थः । बुब्धाम् । ह्वरति (१) । इति दशास्ति-कर्माणः ॥ ८॥

ओर्जः (२)। पार्जः। शर्वः। तरः। तवः। त्वक्षः। शर्धः (३)। बार्धः। नुम्णम्। तिविषी । शुष्मम्। शुष्णम्। शुष्णम्। श्रूषम्। दक्षः। विश्वः। वर्षः। वर्षः। वृजनम्। दक्षः। वर्षः। वर्षः। वृजनम्। वृजनम्। वृजनम्। वृजनम्। वृजनम्। वृजनम्। द्वाविणम्। स्यन्द्रासः। अम्बरम्। इत्यष्टाविंशतिर्वलनामानि॥ ९॥

मधम्। रेक्णः । रिक्थम् । वेदः । वरिवः। रवात्रम्। रत्नम्। रिवः । क्षत्रम् । भगः । मिळ्हु (६) । गर्यः। नृम्णम्। द्युम्नम्। तना । वन्धुः । हुन्द्रियम्। वसुं। रायः। राधः। भोजनम् । मधा । यर्थः। ब्रह्मं। द्रविणम् (७)। श्रवः । वृत्रम् । दृत्यष्टाविंगातिरेव धनना-मानि ॥ १०॥

अध्नयां। उस्रा । उस्तियां । ग्रही । मही । ग्रदितिः (९)। इळां। जगती। शक्त्वरीं। इति नव गोनामानि ॥११॥ रेळेते । हेळेते । भामते। भूणीयतें (१०) श्रीणातिं। स्रेषित । दोर्घति। बनुष्यति । कम्पते । भोजते । इति दशः कृष्यतिकर्माणः ॥ १२॥

⁽१) "ह्मयति" पु०॥ (२) "वार्जः" इत्यधिकं क्वचित् पुस्तके॥ (३) "वृत्तंः" इति पु०॥ (४) "विट्" इति पाठान्तरम्॥ (५) "धर्ण्सि" इति प्रधानं पाठः॥ (६) "मीळ्हम्" इति क्वचित् पु०॥ (७) "शर्वः" इत्यधिकं क्वचित्॥ (८) "ऋतम् वित्तम्" इति पु०॥ (९) "अढितिः" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१०) अस्यैव स्थाने "ह्ण्यीयते" इति क्वचित् पु०॥

हेर्छः । हरः । हाणः (१) । त्यर्जः । भामः। एहः। हरः (२) । तपुषी। जूर्णिः। मन्युः । व्यथिः । इत्येकाद्या कोधनामानि ॥ १३ ॥

वर्तते। अयंते। छोटते। लोठते। स्यन्दते (३) कस्ति। सपित। स्यमित। स्रवांत (४)। इंसित। अवंति। श्रांति। स्वांति। स्वांति। स्वांति। स्वांति। मार्षि। सुरुण्याति। जावंति। काल्यंति। पेलंयाते। कण्टांते। पिस्यंति। बिस्यंति। मिस्यंति। प्रवंते। प्रवंते। कण्टांते। पिस्यंति। विस्यंति। मिस्यंति। प्रवंते। प्रवंते। क्यंते। क्यंति। क्यंति। क्यंति। स्थांति। स्था

⁽१) "घृणिः" इति च पु०॥ (२) "वर्रः" इति तस्येव स्थाने पुस्त०॥ (३) "स्यन्दंति" इति पु०॥ (४) "स्रांसंते" इति पाठश्च। (५) "अवंते" इत्यपि क्वचित् पु०॥ (६) "मियंज्ञति" इत्यपि पु०॥ (७) "अचंति" इत्यपि०॥ (८) "मिनोतिं, ज्ञिणोतिं" इति पु०॥ (९) "रिण्वंति" इत्यपि पु०॥ (१०) "वेशिष्टि, वेपिष्टि" इति क्वचित् पु०॥ (११) "योशिष्टि" इति च पु०॥ (१२) ऋ्णातिं, ऋणातिं, ऋणातिं" इति भेदः पुस्तकान्तरे॥ (१३) "द्घ्यंते" इति भेदः। "नस्यंति" इत्यधिकं पु० (१४) "द्घोतिं" इति पु०॥ (१५) "युध्यंते" इति क्वचित् पाठः॥ (१६) "अङ्घ्यतिं, ऋर्णंति" इति पाठान्तरम्॥ इति पाठान्तरम्॥

सीयंते (१)। तकाति (२)। दीयंति। ईषाति। फणिति (३)। हनति (४)। अदीति। मदीति। ससीते। नसते। हयैति। इयैति। इतै। ईङ्घिति। ज्ञयंति। श्रवाति। श्रवाति। गनित। आगिनीगन्ति। जङ्गन्ति (५)। जिन्वंति (६)। जसीति। गमिति। प्राति। प्रा

⁽१) "डीयते" इति बहुमतः पाठः ॥ (२) "दीयते" इत्यपि क्वाचित् पा०॥ (३) अत्र "कर्णति" इत्यपि क्वाचित् पा०॥ (४) "सस्रिति, सिस्रिति, धवित, धावित, हम्मीते, हम्यति, हयिति" इत्येतेऽधिकाः पुस्तकान्तरे॥ (५) "जर्गन्ति" इत्यपि पु०॥ (६) "जर्गाति, जर्गाति" इत्यपि क्वाचित् पु०॥ (७) "ध्रुवंति" इति पाठान्तरम्॥ (८) "वल्गूयिते, श्रुथ्यंति" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (९) "जेहिति" इति भेदः, "वदिति राति, रूल्हिति" इत्यधिकं क्वाचित् पुरुत्तकान्तरपाठः॥ (१०) "षःकेति, ष्वष्किति" इति पु०॥ (११) "ज्ञिम्पति" इति पु०॥ (१२) "ज्ञायंति" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१३) "प्तयति" इत्यप्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१४) "प्तयति" इत्यप्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१६) "द्विति" इति पु०॥ (१५) "व्यज्ञित" इत्यधिकं क्वाचित् पु०॥ (१६) "द्विति" इत्यप्यिति" इति पाठान्तरम् ॥ (१७) यकाराभावे "हन्तात्" इति पु०॥ (१८) "अर्युथः, अर्युथः" इति तस्यैव भेदेन पाठः॥

जु। मुक्षु। द्ववन्। श्रोषम्। जीराः (१)। जुर्णिः (२)। श्रुताः। श्रुवनासः (३)। श्रीमम्। तृषु (४)। त्यम् (५) त्रिणैः (६)। श्राजिरम् (७)। भुरण्युः। शु (८)। श्राशु। श्राशुः (९)। तृतुंजिः (१०)। तृतुंजानः (११)। तृज्यमानासः। अज्ञाः (१२) साचिवित् (१३) द्युगत् (१४)। ताजत्। तुराणैः। वातरहाः। इति षड्विंशतिः क्षिप्रनामानि १५

त्रित् (१५)। आसात् (१६)। अम्बरम्। तुर्वशे (१७)। अस्त्रम् । युर्वशे (१७)। अस्त्रम् । युर्विशे । युर्विशे । युर्विशे । अस्त्रमानाम्। युर्वे । युर्वे । इत्येकादशान्तिकनामानि ॥ १६॥

रणः। विवाक्। विखादः। नुबनुः। भरें। ग्राक्रन्दे। श्राह्वे। ग्राजौ। पृत्नाज्यम्। ग्राभीकें। समीकें। मुमुस्यम्। नेमधिता (१९)। सङ्घाः। समितिः। समनम्। मीळहे। प्रतनाः। स्पृष्ठः। मुधः। पृत्सु । समत्सुं। सुमुर्थे। समर्थे।

⁽१) "जिरा" इति पु०॥ (२) "जूर्सीः" इति डीप्भेदेन दीघाँन्तः पु०॥ (३) शुघनसाः, शूघनाः, शूघनाः " इति तस्येव भेदेन पाठान्तरम्॥ (४) "त्रिषु" इति पु०॥ (५) "तोयम्" इति पा०॥ (६) "त्रिषे" इति जिङ्गभेदेन पा०॥ (७) "अतिरम्" इत्याद्यदात्तस्वरभेदेन क्वचित् पाठः॥ (८) "श्राशुः, शः" इति पूर्वापरयोभेदः पु०॥ (९) "प्लाशुचित् प्राशुवित्" इति पाठान्द०॥ (१०) "त्र्त्तंजित्" इति पाठान्तरम्॥ (११) "त्र्तंजानासः" इति पा०॥ (१२) "अर्जराः" इति पा०॥ (१३) "माचीवित्, साचीवत्" इति पुस्तकान्त०। (१४) "श्रुमत्" इति पु०॥ (१५) "त्र्वंशः" इति पा०॥ (१६) "श्रुमत्" इति पुर्वेशः" इति पा०॥ (१८) "श्रुव्वाकः" इति पु०॥ (१९) "नेमिधितिः" इति पा०॥

समोहे (१)। समीथे (२)। सङ्ख्ये। सङ्गे। संयुगे (३)। सङ्गुथे। सङ्ग्ये। पृक्षे। स्राणी (४)। शूरंसाती। सङ्ग्ये। सुम्नीके। खर्ले। खर्जे। पौस्ये। मुहाधने। वार्जे। अज्मे। सद्मे (५)। संयत्। संवतः (६)। इति पर्चत्वारिंशत् संग्रामनामानि॥१७॥

इन्वंति। नक्षंति (७) ग्राक्षाणः। आनंद्। आर्ष्ट (८)। ग्रापानः। अर्शत्। नर्शत्। ग्रानुशे। अश्नुते। इति दश व्या-तिकर्माणः॥ १८॥

ह्मनोति (९)। इनथीत। ध्वरीत । धूर्वीत । बुणाकि। वृक्षाति । कृण्वाति । कृण्वाति । कृण्वाति । कृण्वाति । श्वरीति (११)। नर्भते (१२)। क्यूर्वयित । स्तृणाति । स्नेहयंति (१३)। यातयिति (१४)। स्फुराति । स्फुलति । निर्वपन्तु । अवंतिराति । वियातः । आतिरत् । त्रिल्ला । आखण्डल । द्रूणाति । रम्णाति । कृणाति । क्राम्नाति । तृणेळिह । ताळिह । निर्वाकते (१५) । निर्वाहियाति । क्राम्नाति । तृणेळिह । ताळिह । निर्वाकते (१५) । निर्वाहियाति

⁽१) "सुम्मेहि" इति पृ०॥ (२) "सुमिथे, सुङ्के" इति पूर्वापरयोभेदिन पाठः (३) इत्यस्मात् पूर्व "सुयत्" इत्यधिकं क्वचित् पुरुतके॥ (४) "प्रधने" इत्यधिकं क्वचित् पु०॥ (५) "अर-न् सरमन् स्परमन्" इत्येतेऽधिकाः पु०॥ (६) "संवर्तम्" इति पाठान्तर ॥ (७) "नुन्ते" इति पा०॥ (८) "आष्टं, आष्टंः" इति तस्येव भेदः ॥ (९) "श्वयंति" इत्यधिकं क्वचित् पु०॥ (११) "श्वयंति" इति परस्यपाठान्तरम्॥ (१०) "कृणात्ते ऋणात्ते" इति पु०॥ (११) "श्वयंति" इति पा०॥ (१२) "नर्मति" इति पु०॥ (११) "श्वेहंति" इति पूर्वस्येव भेदपाठः। "अर्दति मर्दति" इत्यधिकं क्वचित् ॥ (१४) "याचेति, यावाति" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१५) "नितोवते, नितोशयिति" इति भेदेन क्वचित् पाठः॥

(१) । मिनाति । मिनोति । धर्माते (२)। इति त्रयस्त्रि-शद्बधकर्माणः॥ १९॥

दिद्युत्। नोमिः। हेतिः। नर्मः। प्रविः। मुकः। वृकः। वर्षः। वर्षः। वर्षः। क्रिकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रुकः। क्रिकः। मोनिः। स्विधितः। सार्यकः। प्रश्च। इत्यप्रादश्च वज्रनामानि॥ २०॥

इर्ज्याते। पत्यंते। चर्यति (५)। राजाति। इति चत्वार ऐश्वर्यकर्माणः॥ २१॥

राष्ट्री। ऋषैः। नियुत्वान्। इनइनः। इति चत्वारीश्वरना-मानि॥ २२॥

अपस्तुङ्मनुष्या आयत्ययुवी वरम्यंन्ध आवयत्योजो मधमष्ट्या रेळेते हेळो वर्त्तते च तळिद्रणं इन्वति दभ्नोति दिद्यद्दिरज्यति राष्ट्रीति द्वाविंशतिः॥

इति निघण्टौ द्वितीयाध्यायः समाप्तः ॥

⁽१) "वर्हयति" पु॰॥ (२) "जूर्वति" इत्यधिकं क्वचित्॥ (३) "श्रुक्तः" इति पु॰॥ (४) 'तुझः, तिगमः" इति पाठान्तरम्॥ (५) "त्रियति" इति क्वचित् पाठः॥

अथ तृतीयाध्यायार्मभः॥

हर। तुवि। पुर। भूरि। शश्वत्। विश्वम्। परीणसा। व्यानाशः। शतम्। सहस्रम्। साळ्लम् (१)। कुवित्। इति द्वादश बहुनामानि॥१॥

त्रप्रहन् (२) ह्रवः। निवृद्धः (३)। मायुकः। प्रतिष्ठा। कृधु (४)। व्रम्नकः। द्रभ्रम् (५)। ग्रम्नकः। क्षुल्लकः। क्षल्एः (६)। इत्येकादश ह्रवनामानि॥२॥

महत् (७)। ब्रध्नः। ऋष्वः । बृहत् (८)। द्रक्षितः। त्रवसः। तृविषः । महिषः । अभ्वः । ऋभुक्षाः। द्रक्षाः। विह्याः। यहः। व्रवक्षिथ। विविक्षसे । ऋभुणः। माहिनः। गुभीरः। क्कुहः (९)। रुभसः। व्रार्थन् (१०)। विर्प्शी। अद्भुतम् (११)। बहिष्ठः (१२)। बहिषत् (१३)। इति पञ्चविद्यातिर्महन्नामानि॥३॥

गर्यः। इद्दरः। गर्तः। हर्म्यम्। अस्तम्। पुस्त्यम्। हुरोणे। नीळम्। दुर्याः। स्वसंराणि । श्रमा । दमे । क्वात्तः। योनिः। सद्म। जरणम्। वर्र्षथम्। क्वदिः। छदिः। छाया। क्यमे। अजमं (१४)। इति द्वाविकातिर्गृहनामानि ॥ ४॥

⁽१) "स्रिरम्" इति पुस्तकान्तरपाठः ॥ (२) "रिहम्, ऋहम्, ऋहत्" इति पा०॥ (३) "तृषमः, ऋष्रमः" इत्यधिकौ पु०॥ (४) "कृष्रकः, ऋष्रकः" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (५) "दहर्रकः, देहरकः" इमावधिकौ पु० (६) "अल्पकम्" इति पा०॥ (७) "महः" इति पु०॥ (८) "तृचंः" इत्यधिकः पु०॥ (९) "कुकुहस्तिना" इति पाठमेदः॥ (१०) "बार्धम्, ब्राध्वत्" इति पु०॥ (११) "अद्भुतः" इति जिङ्गभेदः॥ (१२) "बर्हिष्टः" इति पु०॥ (१३) "वर्षिष्टः" इति पु०॥ (१३) "वर्षिष्टः" इति पु०॥

इर्ज्यति (१)। विधेमं। सपर्यति । नुम्स्यति । दुवस्यति । अध्याति । अध्याति । अध्याति । अध्याति । अध्याति । अध्याति । विवासिति । दिति दश परिचरणकर्माणः ॥ ५॥

शिम्बातां। शतरां। शातंपन्ता। शमें (३)। स्यूमकम्। शेवृधम्। मर्यः। सुग्मर्यम्। सुदिनंम्। शूषम्। शुनम्। श्रागमम् (४)। भेषजम्। जलाषम्। स्योनम्। सुम्नम्। शेवंम्। शिवंम्। शम्। कम्। इति विशातिः सुखनामानि॥ ६॥

निर्णिक्। ब्रिविः। वर्षः । वर्षः (५)। श्रमितिः । अर्पः (६)। रसः । अर्पः। पिष्टम् । पेर्गः । कृत्रीनम् । मुहत् (७)। अर्जुनम् । तुम्मम्। श्रुह्णम्। शिल्पम् (८)। द्दाति योडश रूपनामानि ॥ ७॥

श्रुस्रेमा। अनेमा। अनेद्यः (९) श्रुन्वद्यः। अनिभिगस्ताः (१०)। उक्थ्यः। सुनीथः। पार्कः। वामः । व्युनेस् । इति द्रा प्रशस्यनामानि ॥ ८॥

केतः। केतः (११)। चेतः । चित्तम् । कर्तः। असः। धीः । अची । माया । वयुनम् । श्राभिष्या । इत्येकादश अज्ञानामानि ॥ ९॥

बद्। अत्। प्रजा। श्रद्धा। इत्था। ऋतम्। इति षद् सत्यनामानि॥ १०॥

⁽१) "इरध्यति" इति पा०॥ (२) "शर्वति" इति पा०॥ (३) "श्रिन्गुः" इति बहुमतः पा० (४) "श्राम्यम्" इति पा०॥ (५) "अपुः" इत्यधिकं क्व्रचित्॥ (६) "बप्संः" इति पा०॥ (७) "प्सरः" इति पा०॥ (८) "श्राप्यम्, शिष्यम्" इति पा०॥ (९) "अनिन्द्यः" इति पा०॥ (१०) "अनिभशस्तिः" इति प०॥ (९) "अनिभशस्तिः" इति प०॥ (९) "अनिभशस्तिः" इति प०॥ (९) "अनिभशस्तिः" इति

चित्रयंत् (१)। चाकनत्। (२)। आर्चक्षम (३)। चष्टे। विचर्षाणेः। विश्वचर्षणिः। ग्रुवचाकशत्। इत्यष्टे। पश्यतिकर्माणः॥ ११॥

हिर्नम्। नुर्नम्। सुर्नम्। ग्राहिर्नम्। आकीम् (४)। निर्नाः। मार्निः। नर्नीम्। आकृतम्। इति नवीत्तराणि पदानि सर्वपदसमामनायः॥ १२॥

इदमिव। इदं येथा। श्राग्निन थे। चतुरिश्चद्दंमानात्। ब्राह्मणीं वितचारिणः। दृक्षस्य नु ते पुरुद्दृत व्याः। जार आ भर्मम्। मेषो भूतो श्रीम यन्नयः। तद्रृपः। तद्रर्णः। तद्रत्। तथा। इत्युपमाः॥ १३॥

अर्चिति। गायति। रेभति। स्तोभिति। गूर्धयति। गृणाति। जरते (५)। ह्वयते (६)। नदिति। पृच्छति। रिहति। धर्मिति। कृपायति (७)। कृपण्यति। पुन्स्यति (८)। पुन्।यति। कृपायति। मन्दिते। मन्दिते। छन्दिति। छ्दयते (९)। शृशुमानः। र्ञ्जयति। र्जयति। शंसिति। स्तौति। यौति। रौति। नौति। भनिति (१०)। पुणायति (११)। पणित। सर्पति (१२)। पुण्वाः (१२)। महयति। व्राजयति।

⁽१) "चिक्यम्"। पा०॥ (२) "चना" इति पा०॥ (३) "चाक्त अर्चक्तम" इति तस्येव भेदः॥ (४) "आकिम्" इति पाठा-न्तरम्॥ (५) "जरित" इति पु०॥ (६) "ह्वर्यात" पा०॥ (७) "कृपा" इति पा०॥ (८) "प्ण्यस्यति, प्ण्यायते" इति पूर्वापरयोभेदः॥ (९) "छ्वद्यति" इति पा०॥ (१०) "भणिति" इति सत्वभेदः॥ (११) "भृण्यायते" इति भेदः॥ (१२) "स्विपिति" इति पा०॥ (१३) "प्ण्यायते" इति पा०॥

पुजर्यति। मन्यते (१)। मदाति। रस्नति। स्वरंति। वेनति। मन्द्रयते (२)। जल्पति (३) इति चतुश्चत्वारिशदर्च-तिकर्माणः॥ १४॥

विश्रं। विश्रं। गृत्संः। धीरंः। बेनः। बेधाः (४) कण्वंः। श्रुभुः। नवेदाः। कृषिः। मुनीषी। मन्धाता। विधाता। विषः। मुनीश्रत्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। विप्रश्चित्। श्रुक्तिपः (६)। ज्ञाकेनिपः (६)। ज्ञिश्चितंः। कृस्ति। श्रुद्धातयंः। मृतयंः। मृतुथाः (७)। व्यावतंः (८)। इति चतुर्विशितिभैधाविनामानि॥ १५॥

रेभः। जिर्देता। कारुः। नदः। स्तामुः (९)। कीरिः। गौः। सूरिः। नादः। छन्दंः। स्तुप् (१०)। कृदः। कृपण्युः। इति त्रयोदशस्तोतनामानि॥ १६॥

युज्ञः । बेनः । श्रुध्वरः । मेर्घः । विद्याः । नार्यः । सर्वनम् (११) । होत्रां । इष्टिः । देवताता । मुखः । विष्णुः । इन्दुः । युजापंतिः । धर्म । इति पञ्चदश यञ्चनामानि ॥ १७ ॥

भरताः (१२) । कुरवः । वाघतः । वृक्तवंहिषः । यतस्रेचः । मुरुतः । मुबार्धः । देवयवः । इत्यष्टावृत्विङ्ना-मानि ॥ १८॥

⁽१) "स्वदित" इत्यधिकं पु०॥ (२) "कर्ल्पते" इत्यधिकं पु०॥ (३) "मुन्त्रयते, वन्दंते" हुमावधिकौ पुस्तकान्तरे॥ (४) "मेधः" इत्यधिकः पु०॥ (५) "विपन्यः" इति पु०॥ (६) "के निपः" अयमधिकः पु०॥ (७) "मुज्याः" [इति पाठा०]॥ (८) "मेधाविनः" इत्यधिकं पु०॥ (९) "तामः" इति पाठान्तरम् (१०) "सुत्" इति पाठान्तरम् ॥ (११) "नारी" अयमधिकः पु०॥ (११) "नारी" अयमधिकः

ईमहे। यामि । मन्महे । दुद्धि । शृश्वि (१) । पूर्दि । रिरिंडि । मिमिंडि । मिमें हे । रिरोहि । पीपरत् । युन्तारंः । युन्धि (२) इषुध्य ते । मर्दे बहि । मनामहे । मायते । इति सप्तदश याश्चाकर्माणः । १९॥

दाति । दार्शति । दासित । राति । रासित । पृणक्षि (३)। पृणाति (४)। शिक्षेति । तुर्श्वति । मंहते । इति दश दानकर्माणः ॥ २०॥

परिस्नव (५)। पर्वस्व । अभ्येषे । आशिषः । इति च-त्वारोऽध्येषणाकर्माणः ॥ २१॥

स्वपिति। सिन्ते (६)। इति द्वौ स्वपितिकर्गणौ ॥ २२॥ कूर्पः। कार्तुः। कर्तः। ववः। कारः। खातः (७)। क्रावः। क्रिविः (८)। सदः। उत्सः। ऋष्यदात्। कारोत्रात् (९)। क्रुवः। केवरः। इति चतुर्दश कूपना-मानि॥ २३॥

तृपुः (१०)। तकां (११)। रिभ्वां (१२) रिपुः। रिकां। रिहायः। तायुः। तस्करः। वन्गुः। हुरश्चित्। मुषी-वान्। मुलिम्लुचः। श्रुधशैसः। वृकः। इति चतुर्दशैव स्तेननामानि॥ २४॥

⁽१) "द्रिध" इति पा०॥ (२) "धन्त" इति पाठान्तरम्॥ (३) "पृणिक्ति" इते पा०॥ (४) "वृश्चिति" इत्याधिकं पु०॥ (५) "परिश्रव" इति शकारभेदेन पाठः॥ (६) "स्वास्ति" इति पा०॥ (७) "श्चवटः" अयमधिकः पुस्तकान्तरे॥ (८) "कृविः" इति पाठः॥ (१) "कृविः" इति पाठः॥ (१) "कृषिः" इति पाठः॥ (१०) "श्चिपुः" इति पाठः॥ (१०) "श्चिपुः" इति पाठः॥ (११) "रितक्वा, त्रिक्वा, तृक्वा" इति पुस्तकान्तरपाठः॥ (१२) "रिह्वा" इति पाठान्तरम्॥

निण्यम्। सस्वः । सनुतः । हिरुक् । प्रतीरुर्यम् (१)। श्रुपीरुर्यम् । इति षण् निणीतान्तर्हितनामधेयानि ॥ २५॥

ग्राके। पराके। पराचै। ग्रारे। परावतः । इति पञ्च इरनामानि॥ २६॥

प्रत्नम्। प्रदिनः । प्रवयाः । सनेमि । पूर्वम् (२)। अह्नाय। इति षट् पुराणनामानि ॥ २७॥

नर्वम्। नूर्तम्। नूर्तनम्। नर्वम्। हृदा। हृदानीम्। इति षडेव नवनामानि॥ २८॥

प्राप्ति । ग्राभि । द्वाम । ग्राभिक म । तिरः । स्तः । त्वः । नेमः । ग्राभाः । स्ताभः । व्याभिः । उपाजिह्निका । अदिरम् । कृद्रम् । रम्भः । पिनांकम् । मेनां । ग्राः । ग्रेपः । वृत्तमः । श्राया । एना । सिषंकतु (३) । सर्वते । भ्यस्ते (४) । रजते । द्वाति षड्विंशातिर्द्वित्र उत्तराणि नामानि ॥ २९ ॥

स्वधे (५)। पुरंग्धी। धिषणे। रोईसी (६)। क्षोणी। अम्मेसी। नर्मसी। रर्जसी। सदेसी। सदोनी। घृतवंती। बहुले। गुभीरे। गुम्भीरे। ग्रोण्यौ। चुम्बौ (७) पार्श्वौ (८)। मुही। दुर्वी। पृथ्वी (९)। ग्रादिती। ग्रही। दूरे अन्ते। अपारे अपारे। इति चतुर्विश्रातिद्यीवापृथिवीनामधेयानि॥३०॥

⁽१) "मृतीर्च्यम्" इति पा०॥ (१) "पूर्वा" इति पा०॥ (१) "स्पिक्ति" इति पा०॥ (१) "नंसंते" इत्यधिकं पु०॥ (५) "स्पे थे" इति पु०॥ (६) "रोधसी" इति वर्णभेदेनाधिकं वा पु०॥ (७) अतः पूर्व "नुष्त्रो" इत्यधिकं क्वाचित्। अतोऽग्रे च "चुम्बो" इति भेदपाठः॥ (८) "पारव्यों" इति पा०॥ (९) "वृह्दती" इत्यधिकमत्र पुस्तकान्तरे॥

उद्धृ हन्महद् गय इरज्यति शिम्बाता निर्णिगस्नेमा केतुर्बट् चिक्यद्धिकमिदमिवार्चिति विप्रो रेभो यञ्चो भरता ईमहे दाति परिस्रव स्वापिति कूपस्तुपुर्निण्यमाके प्रतनन्नवम् प्रपित्वे स्वधे त्रिंशत्॥

इति निघण्टौ तृतीयोऽध्यायः समाप्तः॥

श्रथ चतुथोऽध्यायार्मः॥

--:0:--

जहा। निधा। शिताम। मेहनां। दमूनाः। मूर्वः (१)। इषिरेणं। कुठ्तनं। जठरें। तितंत्र । शिक्षें। मध्यां। मन्दू। ईर्मान्तासः। कायमानः। लोधम्। शिरम्। विद्वधे। दुप्दे। तुग्वेनि। नर्सन्ते। नृसन्तः (२)। श्राहुनसः। श्रद्मसत्। दुष्मणः। वाहः। परितक्म्या। सुविते। वयेने। नृचित्। नृचे। दावने। अकूपारस्य। शिशीते। सुतुकः। सुप्रायणः। अप्रायुवः। चयवनः। रजः। हरः। जुहुरे। व्यन्तः। क्राणाः। वाशी। विषुणः। जामिः। पिताः श्रं। अदिति। प्रेरे। जस्ति। जरते। मन्दिने। गौः। गातुः। दंसयः। तुत्ववाः। चयंसे। वियुते। अर्थक्। श्रस्याः। श्रम्यः। दृत्ववाः। चयंसे। वियुते। अर्थक्। श्रम्याः। श्रम्यः। दृत्ववाः। पर्दानि॥१॥

सिंसम्। वाहिष्ठः। हृतः। वावृक्यातः। वार्यम् । अन्धः। असंभ्रन्ती। वृत्वविति। तृत्वविति। मन्दनाः। श्राहृनः। नृदः। सोमो अक्षाः। रुवात्रम्। कृतिः। हास्तमाने। पृङ्गिः। सुसम्। द्विता। त्राः। वृरुःहः। स्वसंराणि । रार्याः। श्रुकः। पृविः। वक्षः। धन्वं। सिनम्। इत्था। सर्वा। चित् । आ। ग्रुसम्। पृवित्रम्। तोदः। स्वञ्चाः। श्रिपिविष्ठः। विष्णुः। आर्षृणः। पृथुज्जयाः। श्रुश्रम्। कृष्णुका। अश्रिगः। श्रुष्ठम्। श्रम्शा। वर्वशी। वयुनम्। वार्जपस्त्यम्। वार्जगन्द्रयम्। रुप्यम्। गर्थम् (३)। गार्थता। कौर्याणः। तौर्याणः।

⁽१) "इषिरः" इत्याधिकं पु०॥ (२) "नस्ततः" इत्यष्यधिकं विचित्॥ (३) "गध्यति" इत्याधिकमत्र पुस्तकान्तरे॥

अड्रयाणः। इरयाणः। (१)। ग्रारितः। व्रन्दी। निष्यपी। तूर्णाशम्। अनुम्पम्। निचुम्पुणः। पदिम्। पादुः। वृक्तः। जोष्याकम्। काचिः। रवृन्नी। समस्य। कुटंस्य। चर्षाणः। शम्बः। केपयः। तुतुमाक्षेषे। ग्रांसंत्रम्। काकुदंम्। बीरिटे। अञ्छं। परि। कृम्। स्नम्। प्नाम्। स्नाणः। इति चतुरुत्तमशीतिः पदानि॥२॥

श्राज्ञज्ञक्षाणिः । आशांभ्यः । काशिः । कुणांरुम् । श्रुलातृणः। सललूकम् । कत्पयम् । विस्नुद्धः । वीरुधः । नुक्षद्दाभम्। अस्क्रधायुः। निगृम्भाः । बृबद्वधम् । ऋदूदरः। ऋदूपे पुलुकार्मः । असिन्वती । कुपुना । भाऋजीकः । कुजानाः। जुणिः । श्रोमना । उपल्राक्षणी । उपसि । प्रक्लावत् । श्चभ्यर्थयज्वा। ईक्षे। क्षोणस्य । श्रम्मे। पार्थः। सर्वीमाने। सप्रथा। विद्थानि । श्रायंन्तः । श्राशीः । अजीगः । असूरः । श्रामानः। देवो देवाच्यां कृपा । विजामातुः । आमासः। स्रोमानम्। श्रन्वायम्। किमीदिन (२)। अमेवान्। अमीवा। दुरितम्। अप्वां। अमितिः। श्रुष्टी । पुरंन्धिः। रुशंत् । रिशा-द्सः। सुद्त्रः। सुविद्त्रः। ग्रानुषक्। तुर्वाणः। गिर्वणसे। श्रासूर्ते सूर्ते। अम्यक् । याद्दिमन् । जार्यायि । श्राश्रिया। चर्नः। पचता। शुरुधंः। श्रमिनः। जज्झती। अप्रतिष्कृतः। शाशंदानः। सृप्रः। सुशिप्र। शिप्रे। रंसु । द्विबहीः । श्रकः। उराण । स्तियांनाम् । स्तिपाः । जबारु । जरूथम् । कुलिंगः । तुञ्जः। ब्रहणां। तृत्नुष्टिम् । इलुविद्याः । क्रियेधाः । भूमिः।

⁽१) "हर्रयागः" इति पुस्तकान्तरे नास्ति ॥ (२) "श्रुप्नः, श्रुमः" इत्यधिकी क्वाचित् पुस्तकान्तरे ॥

विष्यतः । तुरीपम् । रास्पिनः । ऋश्वतिः । ऋजुनीती।
प्रतद्वेस् । हिनोतं । चोष्कूयमाणः । चोष्कूयते । सुमत् । दिविछिषु । दूतः । जिन्वति । अमेत्रः । ऋचीषमः । अनेर्धरातिम् ।
श्वानवी । असामि । गर्वया । जळहेवः । बकुरः । बेकुनाटान् ।
श्वामिधेतन । श्रंहुरः । बृतः । वाताप्यम् । चाकन् । रुथ्यति ।
असंकाम् । श्राध्यः । श्रुन्यव्यः । सद्दान्वे । श्रिरिम्बिठः ।
प्राध्यः । किविद्ती । करूळती । दनः । धराकः । इद्युः ।
किकिटेषु । बुन्दः । वृन्दम् । किः । उत्वम् । ऋबीसमृबीसमितिः
द्वात्रिंशच्छतं पदानि ॥ ३॥

जहा सस्निमाशुशुक्षाणिस्रीणि ॥ ३॥

॥ इति निघरटौ चतुर्थोऽध्यायः समाप्तः॥

श्रथ पश्चमाध्यायार्मः॥

श्राग्नः। जातवेदाः। वैश्वान्रः। इति त्रीणि पदानि ॥

द्विणोदाः। इध्मः। तनुनपात्। नराशंसः। इळः। ब्रह्मिः। द्वारः। उषामानक्ता। दैव्या होतारा। तिस्रो देवीः। त्वष्टां। वनस्पतिः। स्वाहांकृतयः। इति त्रयोदश पदानि॥२॥

अश्वः। श्रक्तिः। मण्ड्काः। श्रक्षाः। श्रावाणः। नाराशंसः
(१)। रथः । दुन्हुभिः । इपुधिः । हस्त्रः। श्रभीर्वावः।
धर्तः। ज्या। इषुः। श्रश्वाजनी । दुल्खंलम् । वृष्भः। द्रुष्णः।
पितः। नद्यः। आपः। ओषधयः। रात्रिः। श्रूरण्यानी। श्रद्धा।
पृथिवी । अप्वां। श्रग्नाधीं। दुल्खंलमुसले । हाविधीने।
धाविष्थिवी । विपार्लुतुद्दी । आत्भी । श्रुनासीरौ । देवी
जोष्ट्री। देवी क्रजीहित । इति षट्त्रिंजत् पद्दानि॥ ३॥

बायुः । वर्रणः । रुद्रः । रुद्रः । पुर्जन्यः । बृह्स्पतिः । ब्रह्मण्यतिः । क्षत्रं स्य पतिः । वास्त्रोष्पतिः । वास्त्राष्ट्रपतिः । वास्त्राष्ट्रपतिः । वास्त्राष्ट्रपतिः । वास्त्राप्तिः । वास्त्राप्तिः । वास्त्राप्तिः । वास्त्राप्तिः । व्यक्षत्रमा । वास्त्रः । मृत्यः । मृत्यः । वार्तः । क्षाप्रिः । वार्तः । क्षाप्रिः । वार्तः । क्षाप्रिः । वार्तः । वार

श्येतः। सोमः। चन्द्रमाः। मृत्युः। विश्वांतरः। धाता। विधादा। मुरुतः। रुद्राः। ऋभवः। श्रङ्गिरसः। पितरः। अर्थ-

⁽१) "नराशंसः" इति पुस्तकान्तरपाठः॥

विणः। भृगवः (१) । श्राप्तयाः । अदितिः। प्रमां। सर्र-स्वती । वाक्। अनुमतिः । राका । धिनीवाली । कुहः। यमी । व्यवेशी । पृथिवी । इन्द्राणी । गौरी । गौः । धेनुः । अध्न्यां। पृथ्यां। स्वस्तिः। व्रषाः । इलां। रोदसी । इति षद्त्रिंशत्। पदानि ॥ ५ ॥

श्राध्वनौ । उषाः । सूर्या । वृषाक्रपायी । सर्णयः । त्वष्टां । सृष्टिता । भगः । सूर्यः । पूषा । विष्णुः । विश्वानरः । वर्तणः । केशी । केशिनः । वृषाकिषः । यमः । श्राज एकपात् । पृथिवी । समुद्रः । अर्थवी । मर्जुः । दृष्यङ् । श्रादित्यः । सप्त ऋषयः । देवाः । विश्वे देवाः । साध्याः । वस्तवः । बाजिनः । देवपत्न्यो देवपत्न्यः । इत्येकित्रंशत् पदानि ॥ ६ ॥

श्रिद्धिवणोदा अश्वी वायुः रयेनोऽश्विनौ षर्॥ ६॥ इति निघरतौ पश्चमोऽध्यायः॥ ५॥ निघरदुः समाप्तः॥

⁽१) ऋषयः। इत्यधिकं पुस्तकान्तरे।

अथ निघरटोः शब्दानुक्रमणिका

पद्म्	अर्थः अध्य	य: ।	ख ण् डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य: ख	ण्डम्
ऋंसत्रम्	पदनाम	8	2	ऋज एकपा	द् पदनाम	¥	Ę
त्र्रंहुर:	,,	8	ş	त्र्रजगन्	गतिकर्मा	2	88
श्चक्पारस्य	"	8	8	श्रजाः	ऋादिष्टोपयो-		
श्रक्तुः	रात्रिनाम	8	9		जननाम	8	१५
श्रकः	पदनाम	8	3	श्रजिरम्	च्चिप्रनाम	2	१५
श्रद्गरम्	वाङ्नाम	8	88	ऋजिराः	नदीनाम	8	१३
"	उद्कनाम	8	85	श्रुजम	संग्रामनाम	2	20
श्रदाः	पदनाम	8	3	,,	गृहनाम	3	8
,,	,,	¥	3	श्रज्राः	चिप्रनाम	2	१५
त्र्यितम्	उद्कनाम	8	85	ऋग्व्य:	ऋंगुलिना म	2	y
त्र्रगन्	गतिकर्मा	?	88	ऋ तित	गतिकर्मा	2	88
श्रमायी	पदनाम	¥	3	ऋत्य:	श्रश्वनाम	,	28
श्रमि:	,,	y	8,8	ऋथर्यः	श्रङ्ग लिनाम	2	પૂ
श्रिमिर्न ये	उपमानाम	3	१३	ऋथर्यति	गतिकर्मा	2	28
ऋिया	पद्नाम	8	₹	अययात अथयु म्		۲	
ऋग्रुवः	नदीनाम	8	१३		पद्नाम	8	?
,,	श्रंगुलिनाम	2	y	ऋथवी	,,	ď	Ę
श्रवशंस:	स्तेननाम	3	58	अथर्वागः	"	ď.	¥
ऋष्या	गोनाम	2	88	श्रदितिः	पृथिवीनाम	8	8
,,	पदनाम	¥	પ્	,,	वाङ्नाम	8	88
अङ्गिरसः	,,	યૂ	¥	,,	गोनाम	9	88
श्रचद्म	पश्यतिकर्मा	ą	88	"	पदनाम	8	8
ग्र च्छ	पदनाम	8	7	,,	"	ď	X

पद्म्	अर्थः अध्या	य:	खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्य	ाय:	लण्डम्
श्रदिती	द्यावा पृथिवी-			श्रन्तमानाम	र् ऋन्तिकनाम	2	१६.
	नाम	3	३०	अन्तरि च्म	श्रन्तरिच्नाम	7 P	3
श्रद्धा	सत्यनाम	3	80	श्रन्ध:	अन्ननाम	2	9.
श्रद्धातयः	मेधाविनाम	₹	१५	,,	पदनाम	8	2
श्रद्भुतम्	महन्नाम	3	3	अन्नम्	उद्कनाम	8	85
श्रद्मसत्	पदनाम	8	8	त्रपः	,,	8	88
श्रद्रिः	मेघनाम	8	१०	श्रप:	कर्मनाम	?	8
अधिगुः	पदनाम	8	2	ऋपत्यम्	श्रपत्यनाम	` ₹	2
ऋध्वरः	यज्ञनाम	3	१७	श्रपांनपात्	पदनाम	¥	8
श्रध्वरम्	श्रन्तरिच्नाम	8	3	श्रपारे	द्यावापृथिवी-		
श्रध्वा	"	8	3		नाम	3	३०
अ निभशस्त	यः प्रशस्यनाम	3	5	ऋपी च्यम्	अन्तर्हितनाम	ą	२५
ऋनर्वा	पदनाम	8	3	श्रप्नः	कर्मनाम	2	8
अनर्शराति	Į "	8	3	,,	श्रपत्यनाम	?	7
श्रनवः	मनुष्यनाम	?	₹	,,	रूपनाम	3	6
श्रनवद्यः	प्रशस्यनाम	ş	5	श्रप्तवाना	बाहुनाम	2	8
श्चनवब्रवः	पदनाम	8	3	श्रप्रतिष्कुत:	पदनाम	8	3
श्रनवायम्	,,	8	3	ऋप्रायुव:	,,	8	8
ऋनिति	गतिकर्मा	?	88	श्रप्वा	17	8	ą
ऋनिन्द्य:	प्रशस्यनाम	3	5	,,	,,	ų	3
श्रनुमतिः	पदनाम	y	y	श्रप्स:	रूपनाम	3	6
श्रनुष्टुप्	वाड्नाम	8	88	ऋभिख्या	प्रज्ञानाम	3	3
श्रनेद्यः	प्रशस्यनाम	ą	5	श्रिभिघेतन	पदनाम	8	Ę
श्रनेमाः	प्रशस्यनाम	3	5		संग्रामनाम	२	20

थदम्	अर्थः अध्याय	: ख	ग्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्याय	ः ख	ण्डम्
-श्रभीशवः	रिश्मनाम	?	y	त्रम्भसी	द्यावापृथिवी-		
,,	ऋं गुलिनाम	२	4		नाम	3	30
,,		ų	3	श्रम्भृग:	महन्नाम	3	3
ऋभीशू.	बाहुनाम	2	8	ऋम्यक	पद्नाम	8	3
ऋभ्य र्घ यज्व		8	3	श्रय:	हिरण्यनाम	8	?
ऋभ्यर्ष	श्रध्येषणा-			अयते	गतिकमी	2	88
	कर्मा	3	२१	त्र्रया	उत्तरपद्नाम	3	39
अभ्रम्	मेघनाम	8	१०	ऋयुथु:	गतिकमी	?	88
अभ्वः	महन्नाम	3	3	ऋयुधुः	,,	2	88
श्च्रभ्वम्	उद्कनाम	8	१२	श्चरण्यानी	पदनाम	y,	3
न्त्रमितः	रूपनाम	3	e	अरिन्दा नि	उद्कनाम	8	88
,,	पदनाम	8	3	ऋर्षित	गतिकर्मा	2	88
अमत्रः	,,	8	3	श्चरण्योगाव	: श्रादिष्टोप-		
अमवान्	,,	8	3		योजन	8	१५
त्र्यमा	गृहनाम	3	8	ऋरुष:	ऋश्वनाम	8	88
ऋमिनः	पदनाम	8	ą	अरुपति	गतिकमी	2	88
ऋमीवा	,,	8	3	ऋरुषम्	रूपनाम	3	9
ग्रमूरः	,,	8	3	अरुषी	उषसोनाम	?	5
ग्रमृतम	हिरण्यनाम	8	2	ऋर्कः	श्रन्नाम	2	9
"	उद्कनाम	8	१२	"	वज्रनाम	?	20
ऋम्बर्म	ऋन्तरिच् नाम	2	3	,,,	पदनाम	8	२
,,	श्रन्तिकनाम	2	१६	श्रर्चित	श्चचीतिकमी	3	88
- त्र्यम्बु	उदकनाम	8	१२	श्रचि:	ज्वलतोनाम	8	१७
श्रम्भः	, ,	5	१२	श्रजु नम	रूपनाम	3	9

पद्म्	अर्थः अध्या	य: ख	वडम्	पद्म्	अर्थः अध्य	ाय: ख	वण्डम्
श्रजु नी	उषसोनाम	8	5	ऋविष्यन्	श्रक्तिकर्मा	2	5
ऋर्णः	उदकनाम	8	१२	ऋव्यथय:	श्रश्वनाम	8	88
श्रर्णाः	नदीनाम	8	१३	त्र्रशत्	व्याप्तिकर्मा	2	25
ऋदंति	गतिकर्मा	2	88	ऋश्नः	मेघनाम	8	१०
ऋद्यति	वधकर्म	2	38	ऋश्नुते	व्याप्तिकर्मा	2	१८
अर्भकः	हस्वनाम	3	?	ऋश्मा	मेघनाम	8	20
ऋ र्भकम्	उत्तरपदनाम	3	38	ऋश्वः	पदनाम	y.	3
श्चर्यः	ईश्वरनाम	2	25	ग्रश्वाः	श्रश्वनाम	8	88
<mark>श</mark> ्रवाँ	श्रश्वनाम	8	88	ऋश्वाजनी	पदनाम	y,	3
ऋ र्वाके	ऋन्तिकनाम	2	१६	ऋश्विनौ	,,	y.	Ę
ऋलर्यति	गतिकमी	2	88	ऋसकाम	,,	8	3
अलातृणः	पदनाम	8	₹	ऋसश्चन्ती	,,	8	2
ऋल्पः	हस्वनाम	3	2	श्रसामि	,,	8	₹
ऋल्पकम ्	,,	₹	2	श्रसिक्नी	रात्रिनाम	8	9.
श्रवः	अन्ननाम	2	9	श्रसिन्वती	पदनाम	8	3
ऋवचाकश	त् पश्यतिकर्मा	3	88	त्र्रमु:	प्रज्ञानाम	3	3
अवतः	कूपनाम	3	२३	श्रमुनीतिः	पदनाम	y	8
श्रवति	गतिकमी	2	88	ऋसुर:	मेघनाम	8	20
ऋ वते	,,	2	88	त्रस्तें स् <u>तें</u>	पदनाम	8	3
श्रवतिरति	वधकर्मा	2	38	श्रस्कुधोपु:	22	8	3
ऋवनयः	नदीनाम	8	१३	ऋस्तम्	गृहनाम	3	8
	श्रङ्ग लिनाम	2	ų,	अस्तमीके	श्रन्तिकनाम	2	१६
" श्रवनिः	पृ थिवीनाम	8	8	श्रस्मे	पदनाम	8	₹
ग्रवमे	श्रन्तिकनाम	2	१६	ऋस्य	>>	¥	8

पद्म्	अ थं: अध्याय	ा: ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्या	य: ख	ण्डम्
श्रस्याः	पदनाम	8	8	त्राज्ाणः	व्याप्तिकर्मा	2	१८.
श्रह्माः	प्रशस्यनाम	3	5	त्र्याखण्डल	वधकर्मा	2	38
श्रह्ना	उषसोनाम	8	5	त्रागनीगन्ति	त गतिकर्मा	2	88
ऋहि:	मेघनाम	8	20	श्रावृणिः	पद्नाम	8	2
,,	उद्कनाम	8	१२	त्राङ्गपः	,,	8	2
27	पदनाम	y	8	त्र्याचके	कान्तिकर्मा	2	Ę
ऋ हिबु धन्यः	,,	ų	8	श्राचद्म	पश्यतिकर्मा	₹	28
श्रही	गोनाम	2	88	त्राजी	संग्रामनाम	2	20
"	द्यावापृथिवी-			त्र्यागौ	,,	2	१७
	नाम	3	३०	त्र्याताः	दिशोनाम	8	Ę
श्रह:	ऋहर्नाम	8	3	त्रातिरत्	वधकर्मा	2	38
श्रह्माय	पुराणनाम	3	२७	ऋाधवः	पदनाम	8	₹
ऋहयाणः	पदनाम	8	2	त्रानट्	व्याप्तिकर्मा	2	१८
烈 [उपमानाम	ş	१२	त्र्यानशे	,,	2	१८
"	पदनाम	8	२	ऋानुषक्	पदनाम	8	3
ऋाकाशम्	श्रन्तरिच्नाम	8	₹	त्र्यापः	श्रान्तरिज्ञा	म १	3
त्राकीम्	सर्वपदसमा-			,,	उद्कनाम	8	85
	म्राय	2	85	"	पदनाम	4	₹.
त्राकृतम्	सर्वपद्समा-			ऋापानः	व्याप्तिकर्मा	?	१८
	म्राय	3	88	श्रापान्तमन	युः पदनाम	8	?
त्राके	श्रन्तिकनाम	2	१६	त्र्याप्त्याः	,,	¥.	٧.
"	दूरनाम	3	२६	ऋायती	बाहुनाम	?	8
श्राकेनिक:		ą	१५	ऋायवः	मनुष्यनाम	2	₹
आकन्दे	संप्रामनाम	?	१७	श्रायुः	श्रन्नाम	2	

पदम्	अर्थः अध्य	पाय:	खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्य	ाय:	खण्डम्
ऋायुधानि	उद्कनाम	8	१२	इदिमव	उपमानाम	R	१३
त्रारितः	पदनाम	8	2	इदंयथा	,,	3	१३
त्र्यारे	दूरनाम	ą	२६	इदंयु:	पदनाम	8	₹
श्रात्नी	पदनाम	ų	3	इदा	नवीननाम	3	२८
त्रार्थति	गतिकर्मा	?	88	इध्म	पदनाम	ų	2
श्रावयति	श्रित्तिकर्मा	2	5	इन:	ईश्वरनाम	9	22
श्रावयाः	उद्कनाम	8	88	इन्दु:	उदकनाम	8	85
त्र्याशाः	दिशोनाम	8	Ę	,,	ज्वलतोनाम	8	१७
त्र्याशाभ्यः	पदनाम	8	₹	"	पदनाम	y	8
आशिषः	ऋध्येषगाका	र्ना ३	28	इन्द्र:	"	¥	8
श्राशीः	पदनाम	8	3	इन्द्रागी	,,	ų	×
त्र्याशु	चित्रनाम	2	१५	इन्द्रियम्	धननाम	9	१०
त्र्याशुः	अश्वनाम	8	88	इन्वति	गतिकर्मा	2	88
त्राशुशु त्ति	गः पदनाम	8	3	,,	व्याप्तिकर्मा	2	१८
श्राष्ट	व्याप्तिकर्मा	?	१८	इयक्ति	गतिकर्मा	2	88
श्राष्टाः	दिशोनाम	8	ξ	इयर्ति	,,	2	88
त्र्यासात्	श्रन्तिकनाम	2	१६	इरज्यति	ऐश्वर्यकर्मा	2	28
श्राहन:	पदनाम	8	8	,,	परिचरणकर्मा	ą	¥.
श्राहवे	संयामनाम	2	20	इरा	श्रन्नाम	२	9
अहिकम्	सर्वपदसभा-			इरावत्यः	नदीनाम	8	१३
	म्राय	3	82	इळ:	पदनाम	ų	2
इत्था	सत्यनाम	ą	80	इळा	पृथिवीनाम	8	2
"	पदनाम	8	2	,,	वाङ्नाम	9	88
इदम्	उद्कनाम	8	88	"	श्रन्नाम	2	9

थदम्	अर्थः अध्या	य: ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याय	1: €	ण्डम्
इला	गोनाम	2	88	उत्सः	कूपनाम	३	२३
57	पद्नाम	×	¥	उदकम्	उद्कनाम	8	85
इलीबिश:	पदनाम	8	3	उपजिह्निका	उत्तरपदनाम	3	35
इ्व	उपमानाम	3	23	उपब्दिः	वाङ्नाम	8	88
इषति	गतिकर्मा	2	88	उपमाः	उपमानाम	3	83
इषम्	श्रनाम	2	9	उपमे	ऋन्तिकनाम	3	3 &
इषिरेण	पदनाम	8	8	उपर:	मेघनाम	8	80
इषु:	"	x	3	उपरा:	दिशोनामानि	8	Ę
इषुधिः	,,	×	3	उपलः	मेघनाम	8	80
इषुध्यति	याच्ञाकर्मा	3	38	उपलप्रिच्ए	गिपदनाम	8	₹
इष्टिः	यज्ञनाम	3	20	उपसि	"	8	3
इष्मिगाः	पदनाम	8	8	उपाके	ऋन्तिकनाम	3	१६
ईक्षे	,,	8	3	उराण:	पदनाम	8	3
ईङ ्खते	गतिकर्मा	2	88	उरु	बहुनाम	3	8
ईम्	उदकनाम	8	82	उर्वशी	पद्नाम	8	7
,,	पदनाम	8	2	,,	,,	X	X
ईमहे	याच्त्राकर्मा	3	38	उर्वी	ष्ट्रिथिवीनाम	8	8
ईतें	गतिकर्मा	2	38	,,	द्यावापृथिवी-		
ईमन्तासः		8	8		नाम	3	30
ईषति	गतिकर्मा	2	88	उर्वः	नदीनाम	8	23
ईहते	, ,	2	88	उलूखलम्	पदनाम	x	3
उक्थ्य:	प्रशस्यनाम	3	5	उल्खलमुस		¥	3
उच्चा	महन्नाम	3	ą	उत्न्बम्	"	8	ą
उद्गित:	23	3	3	उशिक्	कान्तिकर्मा	2	Ę

पद	अर्थः अध्या	य: र	वण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्या	य: ।	वण्डम्
उशिजः	मेघाविनाम	R	१५	ऋणद्ध	परिचरणकर्मा	æ	×
उश्मसि	कान्तिकर्मा	7	٤	ऋगर्ति	गतिकमी	7	88
उषस:	ऋादिष्टो-			ऋगोति	गतिकमी	2	88
	पयोजन	8	१५	ऋण्वति	**	7	88
उषाः	पदनाम	x	¥	ऋतः	पद्नाम	X	8
"	,,	x	Ę	ऋतम्	उदकनाम्	?	33
उषासानक	ता ,,	X	2	"	धननाम	7	20
उस्रा	गोनाम	2	2.3	,,	सत्यनाम	3	20
उस्राः	रिशमनाम	8	X	ऋतस्ययोहि	ने उद्कनाम	?	83
उसिया	गोनाम	?	88	ऋदूदरः	पदनाम	8	3
ऊतिः	पदनाम	8	. २	ऋधक्	,,	8	8
ऊधः	रात्रिनाम	8	9	ऋध्नोति	परिचरणकर्मा	3	×
ऊक '	श्रनगम	?	, 19	ऋबीसम्	पदनाम	8	3
ऊर्जस्वत्यः	नदीनाम	8	83	ऋभवः	,,	x	×
ऊर्जाद्वती	पदनाम	X.	3	ऋभुः	मेधाविनाम	3	8 %
ऊद्रम्	उत्तरपदनाम	3	35	ऋभुद्धाः	महन्नाम	3	3
ऊम्या	रात्रिनाम	8	9	ऋष्यदात्	क्पनाम	3	23
ऋक्	वाङ नामः	8	88	ऋष्वः	महन्नाम	3	3
ऋचाः	उत्तरपद्नाम	3	35	ऋहन्	हस्वनाम	3	7
ऋचीषमः	पदनाम	8	. 3	एजति	गतिकमी	7	88
ऋच्छति	गतिकमी	7	88	एलग्वः	श्रश्वनाम	8	8.8
>>	परिचरगाकर्मा	3	x	एतशः	77	?	88
ऋजुनीती	पद्नाम	8	3	एति	गतिकर्मा	7	88
ऋ अतिः	27	8	₹	एनम्	पदनाम	8.	7

पद्म्	अर्थ: अध्यार	प ः ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याः	य: ख	ण्डम्
एना	उत्तरपदनाम	7	38	कत्पयम्	पदनाम	8	3
एनाम्	पदनाम	8	7	कनति	कान्तिकर्मा	2	Ę
एन्य:	नदीनाम	8	83	कनकम्	हिरएयनाम	8	?
एरिरे	पदनाम	8	8	कपना	पदनाम	8	3
एह:	क्रोधनाम	2	23	कम्	सुखनाम	3	Ę
श्रोजः	उद्कनाम	8	83	कम्पते	क्रध्यतिकर्मा	2	8.3
,,	बलनाम	7	3	करणानि	कर्मनाम	2	2
ऋोण्यौ	द्यावाष्ट्रिथवी-			करन्ती	,,	2	8
	नाम	3	30	करस्नौ	बाहुनाम	2	8
ऋोदती	उषसोनाम	8	5	करांसि	कर्मनामः	2	8
ऋोदनः	मेघनाम	8	80	करिक्रत्		2	2
श्रोमना	पदनाम	8	3	करुसम्	"	, כ	2
श्रोमासः	,,	8	3	करूळती))	>	
श्रोषम्	च्चित्रनाम	7	8 %		पदनाम	8	3
ऋोषधयः	पदनाम	×	3	कर्तः	कूपनाम	₹	73
1000	स:ऋश्वनाम	8	88	कर्तवै	कर्मनाम	3	8
क :	पदनाम	×	8	कर्ताः	**	7	8
ककुभ:	दिशोनाम	8	٤	कर्त्वम्	"	7	\$
ककुहः	महन्नाम	3	3	कर्वरम्	,,	7	\$
कच्याः	श्रङ्ग लिनाम		×	कल्पते	श्चर्यति क र्मा	3	88
कराति	गतिकर्मा	2	88	कल्मलीवि	क्रेनम् ज्वलतोना	म१	१७
कण्टति	-11/1/1/11	2	88	कवते	गतिकर्मा	2	88
कण्ठति	3.7	2	88	कवन्धम्	उदकनाम	9	23
कण्वः	मेधाविनाम	3	१५	कविः	मेधाविनाम	3	24
पाण्य -	न प्राप्तान	*	14	י אואר	חאוואיווים	7	14

पदम्	अर्थ: अध्या	य: र	वण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	य : र	वण्डम्
कश:	उदकनाम	8	22	कुटस्य	पदनाम	8	7
कशा	वाङ्नाम	8	88	कुरगारुम्	पदनाम	8	3
कसति	गतिकर्मा	2	88	कुत्सः	वज्रनाम	2	20
काकुत्	वाङ्नाम	8	88	कुरवः	ऋत्विङ्नाम	3	१५
काकुदम्	पदनाम	8	7	कुरुतन	पदनाम	8	8
काञ्चनम्	हिरण्यनाम	8	7	कुलिश:	वज्रनाम	7	20
काटः	कूपनाम	3	23	"	पदनाम	8	3
कागुका	पदनाम	8	7	कुल्याः	नदीनाम	8	23
कातुः	कूपनाम	3	73	कुवित्	बहुनाम	3	8
कानिषत्	कान्तिकर्मा	2	६	कुशय:	कूपनाम	3	23
कायमानः	पदनाम	8	8	कुहू:	पदनाम	X	×
कारुः	स्तोतृनाम	3	१६	कूप:	क्पनाम	3	23
कारोतरात्		3	73	कुण्वति	वधकर्मा	7	38
कालयति	गतिकर्मा	7	88	कृत्तिः	गृहनाम	3	8
काशि:	पदनाम	8	3	कृत्तिः	पदनाम	8	7
काष्ठाः	दिशोनाम	8	Ę	कृत्वी	कर्मनाम	2	8
कि:	पदनाम	8	ą	कृदर:	गृहनाम	3	8
कमीदिने	"	8	3	कृदरम्	उत्तरपदनाम	R	35
कियेधाः	"	8	3	कृधु	ह्रस्वनाम	n	7
किरगाः	रिशमनाम	?	×	कुन्तति	वधकर्मा	2	38
कोकटेषु	पदनाम	8	3	कुपण्यति	ग्रर्चतिकर्मा	3	88
कीरिः	स्तोतृनाम	3	१६	कृपण्यु:	स्तोतृनाम	*	१६
कीलालम्	अन्न नाम	?	૭	कुपा	पदनाम	8	3
कीस्तासः	मेधाविनाम	3	१५	कृपायति	अर्चतिकर्मा	3	88

					-6-3	0	
कुपीटम्	उदकनाम	3	85	क्षा	पृथिवीनाम	*	\$
कुशनम्	हिरण्यनाम	\$	3	क्षिगोति	गतिकर्मा	7	88
"	रूपनाम	3	9	क्षितयः	मनुष्यनाम	7	•
कृष्टयः	मनुष्यनाम	7	3	क्षितिः	पृथिवीनाम	8	8
केत:	प्रज्ञानाम	3	3	क्षिपः	अंगुलिनाम	7	3
केतुः	प्रज्ञानाम	3	3	क्षिपस्ती	बाहुनाम	7	5
केपयः	पदनाम	8	2	क्षियति	गतिकर्मा	3	8,
केवट:	कूपनाम	3	२३	क्षीरम्	उदकनाम	8	8:
केशिनः	पदनाम	×	Ę	क्षु	ग्रन्नाम	3	1
केशी	,,	×	Ę	क्षुम्पति	गतिकर्मा	7	3
कोशः	मेघनाम	8	20	क्षुम्पम्	पदनाम	8	
कौरयागः	पदनाम	8	2	क्षुल्लक:	ह्रस्वनाम	3	
ऋतुः	कर्मनाम	2	8	क्षेत्रस्य पति	: पदनाम	x	
कारगाः	पदनाम	8	8	क्षोग्गस्य	"	8	- 5
क्रिवि:	कूपनाम	3	33	क्षोग्गी	पृथिवीनाम	8	3
किविदंती	पदनाम	8	3	क्षोदः	उदकनाम	?	8:
क्षत्रम्	उदकनाम	8	. 82	क्षोदति	गतिकर्मा	7	83
,,	धननाम	7	80	क्ष्मा	पृथिवीनाम	8	
क्षद्म	उदकनाम	8	१२	खजे	संग्रामनाम	2	30
27	ग्रन्नाम	2	9	खले	21	7	30
क्षप:	उदकनाम	8	22	खाः	नदीनाम	8	? =
क्षपा	रात्रिनाम	8	9	खात:	कूपनाम	3	?:
क्षमा	पृथिवीनाम	8	8	खादो ग्रग्गी	: नदीनाम	8	? =
क्षयति	ऐश्वर्यकर्मा	2	28	खेदय:	रश्मिनाम	3	9

पद्म्	अर्थ: अध्यार	1: 49	।ण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्यार	1: 6	पडा
गरा:	वाङ नाम	8	88	गवते	गतिकर्मा	2	8
गधिता	पदनाम	8	2	गहनम्	उदकनाम	8	8:
गध्यम्	,,	8	7	गाति	गतिकर्मा	2	8
गनीगन्ति	गतिकर्मा	7	88	37	पृथिवीनाम	8	
गन्ति	गतिकर्मा	2	88	गातु	पदनाम	8	
गभस्तयः	रिशमनाम	8	x	गाथा	वाङ्नाम	8	8
ग मस्तयः	श्रंगुलिनाम	2	×	गान्धर्वी	1)	8	9
गभस्ती	बाहुनाम	2	8	गायति	ग्रर्चतिकर्मा	3	8.
गभीरः	महन्नाम	3	3	गाव:	रिशमनाम	8	
गभीरम्	उदकनाम	8	85	,,	भ्रादिष्टोपयो		
गभीरा	वाङ्नाम	8	99		जन	8	3
गभीरे	द्यावापृथिवी			गिरि:	मेघनाम	8	?
	नाम	3	30	गिर्वगाः	पदनाम	8	
गमति	गतिकर्मा	2	88	गी:	वाङ्नाम	?	8
गम्भरम्	उदकनाम	8	88	गृगाति	ग्रर्चतिकर्मा	3	8
गम्भीरा	वाङ्नाम	8	28	गृत्सः	मेधाविनाम	3	8
गम्भीरे	द्यावापृथिवी			गोत्रः	मेघनाम	8	8
	नाम	3	30	गोत्रा	पृथिवीनाम	8	
गय:	श्रपत्यनाम	2	2	गौ:	पृथिवीनाम	8	
. 1.	धननाम	2	20	"	साधाररगनाम	8	
	गृहनाम	3	8	11	वाङ्नाम	8	8
गर्तः	गृहनाम	3	8	2.3	स्तोतृनाम	3	?
गल्दया	पदनाम	8	3	77	पदनाम	8	
गल्दा	वाङ्नाम	?	88	11		×	

पदम्	अर्थः अध्याय	: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थः अध्याः	यः रू	ण्डम्
गौरी	वाङ्नाम	8	88	चरु:	मेघनाम	8	20
77	पदनाम	×	x	चर्षग्गयः	मनुष्यनाम	2	3
ग्नाः	वाङ्नाम	8	88	चर्षिंगिः	पदनाम	8	?
"	उत्तरपदनाम	R	35	चष्टे	पश्यतिकर्मा	3	23
ग्मा	पृथिवीनाम	8	8	चाकन्	पदनाम	8	3
ग्रावागः	पदनाम	¥	3	चाकनत्	कान्तिकर्मा	7	Ę
धर्म:	ग्रहर्नाम	8	3	चिक्यत्	पश्यतिकर्मा	3	88
,,	यज्ञनाम	3	१७	चित्	उपमानाम	3	23
घृगाः	ग्रहर्नाम	?	3	77	पदनाम	8	2
घृतम्	उदकनाम	8	23	चितम्	बलनाम	3	3
घृताची	रात्रिनाम	?	9	चित्रामघा	उषसोनाम	8	5
घोषः	वाङ्नाम	8	22	चेत:	बलनाम	3	3
घ्रंस:	ग्रहर्नाम	8	3	चोष्क्यते	पदनाम	8	3
चकमानः	कान्तिकर्मा	2	Ę	चोष्क्यमार	णः "	8	3
चऋत्	कर्मनाम	2	8	च्यवते	गतिकर्मा	2	18
चतति	गतिकर्मा	2	88	च्यवन:	पदनाम	8	?
चतुरश्चि-	उपमानाम			च्यवाना	बाहुनाम	7	8
द्दमानात्		3	23	च्यौत्नम्	बलनाम	2	3
चनः	पदनाम	8	₹	छदयते	श्रर्चतिकर्मा	3	88
चन्द्रम्	हिरण्यनाम	8	2	छदि:	गृहनाम	3	8
चन्द्रमाः	पदनाम	×	×	छन्त्सत्	कान्तिकर्मा	2	Ę
चमसः	मेघनाम	8	१०	छन्द:	स्तोतृनाम	3	१६
चम्वौ	द्यावापृथिवीनाम	3	30	छन्दति	1.00	3	18
चयसे	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	8	8		नाम	3	*

पद्म्	अर्थः अध्यार	य : र	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य: स	वण्डम्
छाया	गृहनाम	2	8	जसति	गतिकर्मा	2	88
जगतः	मनुष्यनाम	?	**	जसुरि:	पदनाम	8	8
जगति	गतिकर्मा	2	88	जहा	"	8	8
जगती	गोनाम	3	88	जा:	अपत्यनाम	2	₹
जगन्ति	गतिकमा	7	88	जातरूपम्	हिरण्यनाम	8	?
जगाति	,,	7	88	जातवेदाः	पदनाम	×	8
जगायात्	3.2	7	88	जामय:	अं गुलिनाम	2	×
जङ्गन्ति	"	2	88	जामि	उदकनाम	?	85
जज्भती:	पदनाम	8	3	जामिः	पदनाम	8	8
जञ्जगाभ	वन् ज्वलतोनाम	8	१७	जायति	गतिकर्मा	7	88
जठरे	पदनाम	8	8	जार ग्राभग	ाम् उपमानाम	3	33
जन्तवः	मनुष्यनाम	7	ą	जारयायि	पदनाम	8	3
जन्म	उदकनाम	?	88	जिगाति	गतिकर्मा	2	38
जबारु	पदनाम	8	3	जिन्वति	,,	2	88.
जमत्	ज्वलतोनाम	8	20	जिह्ना	वाङ्नाम	8	88.
जमति	गतिकर्मा	2	88	जीराः	क्षिप्रनाम	2	24
जरते	श्चर्चतिकर्मा	3	88	जुषते	कान्तिकर्मा	2	Ę
जरिता	स्तोतृनाम	3	१६	जुहुरे	पदनाम	8	8
जरूथम्	पदनाम	8	Ę	जूरिंगः	कोधनाम	2	83
जलम्	उदकनाम	8	88	जेहति	गतिकर्मा	7	88
जलाषम्	,,	\$	85	जेहते	,,,	2	88
जल्पति	ग्रर्चतिकर्मा	3	88	जोषवाकम्	पदनाम	8	3
जळहव:	पदनाम	8	₹	जमा	पृथिवीनाम	8	8
जवति	गतिकर्मा	3	88	ज्या	पदनाम	x	₹.

पद्म्	अर्थः अध्यार	पः ख	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्यार	प्रः ख	ण्डम्
ज्योतते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	तवसः	महन्नाम	3	3
ज्रयति	गतिकर्मा	2	88	तविषः	,,	3	3
डीयते	गतिकर्मा	2	88	तविषी	बलनाम	7	3
तकति	,,	2	88	तस्करः	स्तेननाम	3	58
तक्म	ग्रपत्यनाम	2	2	तस्थुषः	मनुष्यनाम	3	3
तक्वा	स्तेननाम	3	28	ताजत्	क्षिप्रनाम	3	84
ततनुष्टिम्	पदनाम	8	3	तायुः	स्तोतृनाम	3	१६
तथा	उपमानाम	3	१३	ताम्रम्	रूपनाम	3	9.
तद्रुपः	,,	3	23	तायुः	स्तेननाम	3	58
तद्वत्	"	3	23	तार्क्यः	गतिकर्मा	8	88
तद्वर्गः	"	3	83	ताव्व्ह	वघकर्मा	3	38
तनय:	ग्रपत्यनाम	7	2	तिग्म:	वज्रनाम	7	20.
तना	धननाम	2	20	तितउ	पदनाम	8	8
तन्नपात्	पदनाम	×	2	तिस्रोदेवी	; ,,	×	3
तपः	रात्रिनाम	2	9	तुक्	श्रपत्यनाम	7	7
तपुषी	क्रोधनाम	2	83	तुग्रचा	उदकनाम	8	85
तमः	रात्रिनाम	8	9	तुग्वनि	"	8	85
तमस्वती	"	8	9	तुज्यमान	ासः क्षिप्रनाम	2	88.
तरः	बलनाम	2	3	तुञ्जः	वज्रनाम	7	20
तरिंगः	क्षिप्रनाम	2	8 %	तुञ्जति	दानकर्मा	3	30
तरस्वत्यः		8		तुरीपम्	पदनाम	8	3
तरुष्यति	पदनाम	8	2	तुरीयति	गतिकम्	2	88.
तळित्	ग्रन्तिकनाम	2	१६		पदनाम	8	3
तवः	बलनाम	7	3		मनुष्यनाम	3	₹.

तुर्वशे	श्रन्तिकनाम	7	१६	त्वष्टा	पदनाम	x	3
तुवि	बहुनाम	3	8	त्सरति	गतिकर्मा	2	88
तूताव	पदनाम	8	8	दंस:	कर्मनाम	2	8
तूतुजानः	क्षिप्रनाम	2	१४	दंसय:	पदनाम	8	8
तूतुजिः	"	2	१४	दक्ष:	बलनाम	2	8
तूतुमाकृषे	पदनाम	8	7	दघ्यति	गतिकर्मा	2	88
तूयम्	उदकनाम	8	83	दत्रम्	हिरण्यनाम	8	7
. ,,	क्षिप्रनाम	Ď	2 %	दद्धि	वधकर्मा	3	38
लूर्णाशम्	पदनाम	8	7	दिधकाः	अश्वनाम	8	88
तूरिंग:	क्षिप्रनाम	2	8 %	दिधिकावा	,,	8	88
तृगा ळिह	वधकर्मा	2	38	दध्नोति	गतिकर्मा	2	88
तृपु:	स्तेननाम	7	28	दध्यङ्	पदनाम	×	٤
तृप्तिः	उदकनाम	8	83	दध्यति	गतिकर्मा	2	88
वृषु	क्षिप्रनाम	2	१५	दन:	पदनाम	8	7
त्रेज ः	उदकनाम	8	83	दभ्नोति	गतिकर्मा	2	88
11	ज्वलतोनाम	8	१७	दभ्रम्	ह्यस्वनाम	3	7
तोकम्	अपत्यनाम	ź	7	,,	उत्तरपदनाम	3	35
त्नोक्म	"	?	7	दमूना	पदनाम	8	8
तोद:	पदनाम	8	2	दमे	गृहनाम	3	8
तोयम्	उदकनाम	\$	१२	दयते	पदनाम	8	8
तौरयागः	पदनाम	8	7	दाति	दानकर्मा	3	20
त्यजः	कोधनाम	7	१३	दावने	पदनाम	8	8
त्वः	उत्तरपदनाम	2	35	दाशति	दानकर्मा	3	70
स्वक्षः	बलनाम	2	3	दासति	24	3	.20

पदम्	अर्थः अध्याय	: ख	ण्डम्	पदम्	अर्थः अध्यार	प: स् व	ण्डम्
दि ग्युत्	वज्रनाम	2	२०	देवाच्या	पदनाम	8	3
दिनम्	ग्रहर्नाम	8	3	देवीऊर्जाहुि	तं ,,	x	3
दिवा	"	8	3	देवीजोष्ट्री	"	x	3
दिविष्टिषु	पदनाम	8	æ	देवोदेवाच्या	कृपा,,	8	ý
दिवेदिवे	श्र _{हर्नाम}	8	3	दैव्याहोतार	T	x	?
दीदयति	ज्वलतिकर्मा	8	१६	दोधति	ऋध्यतिकर्मा	7	85
दीधितयः	रश्मिनाम	8	×	दोषा	रात्रिनाम	8	9
77	ग्रङ्गुलिनाम	2	×	दौर्गहः	अश्वनाम	8	88
दीयति	गतिकर्मा	2	88	द्यविद्यवि	ग्रहर्नाम	8	3
दीयते	"	2	88	द्यावापृथिवी	पदनाम	x	3
दुन्दुभि:	पदनाम	x	3	द्यु:	ग्रहर्नाम	8	3
दुरितम्	"	8	3	द्युगत्	क्षिप्रनाम	7	१४
दुरोएो	गृहनाम	3	8	द्युमत्	ज्वलतिकर्मा	8	१६
दुर्याः	"	3	8	द्युम्नम्	धननाम	7	80
दुवस्यति	परिचरगाकर्मा	3	¥	द्योतते	ज्वलतिकर्मा	8	१६
दूत:	पदनाम	8	2	द्योतना	उषसोनाम	8	=
	"	8	3	द्रमति	गतिकर्मा	2	88
दूरेग्रन्ते	द्यावापृथिवी-	,		द्रवत्	क्षिप्रनाम	2	8 %
	नाम	7	30	द्रवति	गतिकर्मा	7	88
दृति:	मेघनाम	8	80	द्रविगाम्	बलनाम	7	3
देवताता	यज्ञनाम	8	१७	द्रविस्गोदाः	पदनाम	×	?
देवपत्न्यः	पदनाम	x	Ę	द्राति	गतिकर्मा	3	88
देवयव:	ऋत्विङ्नाम	3	१८	द्रुघगाः	पदनाम	x	3
वेवाः		x		द्रुपदे	पदनाम	8	?

पदम्	अर्थः अध्या	य: र	वण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्या	य: र	वण्डम्
द्रम्मति	गतिकर्मा	2	88	धिषगा	वाङ्नाम	2	28
द्रुह्यवः	मनुष्यनाम	3	3	धिषर्ग	द्यावापृथिवी-		
द्र्णाति	वधकर्मा	7	38		नाम	3	₹0-
द्रळति	गतिकर्मा	7	88	घी:	कर्मनाम	2	8
द्वार:	पदनाम	×	7	"	प्रज्ञानाम	*	3
द्विता	,,	8	7	धीतयः	अंगुलिनाम	2	X.
द्विबर्हाः	"	8	3	धीर:	मेधाविनाम	3	8 %
धनुः	,,	¥	3	धुनयः	कोधनाम	8	83
धन्व	ग्रन्तरिक्षनाम सन्तरिक्षनाम	- 172	3	धुरः	ग्रङ् गुलिनाम	7	X.
	पदनाम	8	2	धूर्वति	वधकर्मा	7	38
" धन्वति	गतिकर्मा	2	88	घेना	वाङ्नाम	8	88
धमति	.1.1.1.1.1	,	88	घेनुः	"	8	88
अमा (।	7,7	7		ध्रजति	गतिकर्मा	2	88
"	वधकमो	۲	38	ध्रति	,,	2	88
"	ग्रर्चतिकर्मा	3	88	ध्रयति	,,	2	88
धमनिः	वाङ्नाम	8	88	धाति	"	2	88
धरुगम्	उदकनाम	8	85	ध्रुवति	"	· २	88.
धर्गांसिः	बलनाम	7	3	ध्वंसति	,,	2	88
धवति	गतिकर्मा	7	88	ध्वरति	वधकर्मा	2	38
धवाः	मनुष्यनाम	7	₹	ध्वस्मन्वत्		8	85.
धाता	पदनाम	X	¥	न	उपमानाम	3	? ₹
धारा	वाङ्नाम	\$	88	नंसन्ते	पदनाम	8	8
धावति	गतिकर्मा	2	88	निकः	सर्वपदस-		
धासिः	श्रन्नाम	7	9		माम्नाय	3	83

पदम्	अर्थः अध्याय	: खण	डम्	पदम्	अर्थः अध्याय	: ख ⁿ	डम्
नकीम् सर्वं	दसमाम्नाय	3	22	नरः	मनुष्यनाम	2	3
नक्ता	रात्रिनाम	8	9	नराशंसः	पदनाम	X	3
नक्षति	गतिकर्मा	2	88	नवते	गतिकर्मा	7	88
नक्षति	व्याप्तिकर्मा	7	१५	नवम्	नवीननाम	3	२८
नक्षद्दाभम्	पदनाम	8	3	नवेदाः	मेधाविनाम	3	१५
नक्ष्यति	गतिकर्मा	2	88	नव्यम्	नवीननाम	3	२८
नद:	स्तोतृनाम	3	१६	नशत्	व्याप्तिकर्मा	7	१5
7)	पदनाम	8	2	नसते	गतिकर्मा	2	88
नदति	ग्रर्चतिकर्मा	ą	88	नसन्त	पदनाम	8	8
नदनुः	संग्रामनाम	2	१७	नहुष:	मनुष्यनाम	2	3
नद्य:	नदीनाम	8	83	नाकः	साधारगाना	म १	8
11	पदनाम	×	3	नाद:	स्तोतृनाम	3	१६
नना	वाङ्नाम	8	28	नाम	उदकनाम	8	83
नपात्	ग्रपत्यनाम	2	7	नाराशंसः	पदनाम	×	3
नभः	साधारगाना	म १	8	नार्यः	यज्ञनाम	3	१७
"	उदकनाम	8	2	नाळी:	वाङ्नाम	8	88
नभते	वधकर्मा	2	38	निघृष्वः	ह्रस्वनाम	3	2
नभन्वः	नदीनाम	8	१३		: पदनाम	8	?
	ावापृ थिवीनाम	1 3	30	निण्यम्	भ्रन्तिहतना	म ३	२४
नमः	ग्रन्नाम	7	9	नितोशते	वधकर्मा	2	38
"	वज्रनाम	7	20	निधा	पदनाम	8	8
नमस्यति		र्मा ३	¥	निबर्हर्या	ते वधकर्मा	2	38
नम्या	रात्रिनाम	8	1	नियुतोव	ायो: ऋादिष्टो	q -	
नरः	ग्रश्वनाम	8	88		योजना		१४

पदम्	अर्थ: अध्यार	र: ₹	वण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्यार	प: ख	उटम्
नियुत्वान्	ईश्वरनाम	2	22	नौति	श्चर्तिकर्मा	æ	38
निऋंति:	पृथिवीनाम	8	8	पचता	पदनाम	8	3
निर्गिक्	रूपनाम	3	9	पञ्चजनाः	मनुष्यनाम	7	3.
निवपन्तु	वधकर्मा	7	38	पड्भि:	पदनाम	8	₹
निवित्	वाङ्नाम	8	33	परगते	ग्रर्चतिकर्मा	ą	88
निश्टम्भाः	पदनाम	8	3	पर्गायति	"	13	88
निष्पपी	22	8	?	पतङ्गाः	अश्वनाम	8	8
नीरम्	उदकनाम	8	83	पतित	गतिकर्मा	2	88
नीळम्	गृहनाम	3	8	पतयति	,,	2	88
नु	क्षिप्रनाम	7	8 %	पत्यते	ऐश्वर्यकर्मा	2	28.
नुकम्	सर्वपदसमा-			पथ्या	पदनाम	¥	¥
	म्नाय	3	85	पदिम	"	8	2
नूच	पदनाम	8	8	पनस्यति	ग्र <u>चं</u> तिकर्मा	R	88
नूचित्	"	8	8	पनायते	"	R	88
नूत्नम्	नवीननाम	3	२5	पपृक्षाः	1)	3	88
नूत्न्म्	"	3	२५	पय:	रात्रिनाम	8	9
नृम्गम्	बलनाम	2	3	"	उदकनाम	8	83
,,	धननाम	7	80	,,	ज्वलतोनाम	2	20
नेदति	गतिकर्मा	3	88	"	ग्रन्नाम	2	9
नेम:	ग्रन्नाम	7	9	पयस्वती	रात्रिनाम	8	9.
11	उत्तरपदनाम	3	35	पयस्वत्यः	नदीनाम	8	23
नेमधिता	संग्रामनाम	7	१७	परशुः	वज्रनाम	2	20
नेमि:	वज्रनाम	2	20	पराके	दूरनाम	n	२६
नौ:	वाङ्नाम	8	88	पराचै:	"	3	74

पदम्	अर्थ: अध्यायः	ख	ण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्याय:	ख	ण्डम्
परावतः	दूरनाम	na	२६	पाश्व्यौ	द्यावापृथिवी	3	20
पराशरः	पदनाम	8	3	पितरः	पदनाम	X	x
परि	पदनाम	x	2	पिता	,,	8	8
परितवम्या	1.1	8	8	पितुः	श्रन्ननाम	२	9
	ग्रध्येषगाकर्मा	3	28	"	पदनाम	X	3
परीग्सा	बहुनाम	3	8	पिनाकम्	उत्तरपदनाम	3	35
पर्जन्य:	पदनाम	¥	8	विपृक्षाः	ग्रर्चतिकर्मा	3	88
पर्गान:	मेघनाम	8	90	पिप्पलम्	उदकनाम	8	83
पर्वतः	,,	8	90	पिष्टम्	रूपनाम	R	9-
पवते	गतिकमी	2	88	पिस्यति	गतिकर्मा	7	88
पवस्व	ग्रध्येषगाकम	fξ	28	पीपरत्	याञ्चकर्मा	3	38
पवि:	वाङ्नाम	8	22	पुरन्धिः	पदनाम	8	₹.
,,	वज्रनाम	2	20	पुरन्धी	घावापृथिवी	3	20
7.7	पदनाम	8	2	पुरीषम्	उदकनाम	8	85
पवित्रम्	उदकनाम	8	१२	पुरु	बहुनाम	3	8
,,	पदनाम	8	2	पुरुभोजाः	मेघनाम	8	80.
पस्त्यम्	गृहनाम	n	8	पुरूरवाः	पदनाम	X	8
पाकः	प्रशस्यनाम	Ą	5	पुलुकामः	"	8	3
पाज:	ग्रन्नाम	2	9	पुष्करम्	ग्रन्तरिक्षनाम	8	3
	बलनाम	2	3	पूजयति	श्रर्चतिकर्मा	3	88
पाथः	पदनाम	8	3	पूरवः	मनुष्यनाम	2	₹,
पादुः		8	2	पूर्णम्	उदकनाम	8	88
पार्वत्यः	" नदीनाम	8	23	पूर्घ	याञ्चकर्मा	3	38
पाश्वी	द्यावापृथिवी	*	20.	पूर्वम्	पुराग्गनाम	3	20

पद्म्	अर्थ: अध्याय	: 1	वण्डम्	पद्म्	अर्थ: अध्याय	r:	खण्डम्
पूषा	पृथिवीनाम	8	?	पेश:	रूपनाम	3	9
"	पदनाम	×	Ę	पैद्ध:	अश्वनाम	2	88
पृक्षः	ग्रन्नाम	3	9	पौंस्यानि	बलनाम	2	3
पृक्षे	संग्रामनाम	2	१७	पौंस्ये	संग्रामनाम	2	20
पृच्छति	अर्चतिकम ी	3	88	प्रकलवित्	पदनाम	8	3
पृराक्ष	दानकर्मा	3	२०	प्रजा	श्रपत्यनाम	2	?
पृगाक्ति	.,,	3	२०	प्रजापतिः	यज्ञनाम	3	१७
पृशाति	**	₹	20	"	पदनाम	×	8
पृतनाः	मनुष्यनाम	7	3	प्रतद्वसू	पदनाम	8	3
**	संग्रामनाम	3	20	प्रतिष्ठा	ह्रस्वनाम	3	2
पृतनाज्यम्	,,	2	१७	प्रतीच्यम्	निर्गीतान्तहित		
पृत्सु	,,	2	20		नाम	3	२४
पृथिवी	पृथिवीनाम	8	₹	प्रत्नम्	पुरागानाम	3	20
**	पदनाम	×	₹	प्रदिव:	"	3	२७
11	"	¥	×	प्रपित्वे	उत्तरपदनाम	3	35
2)	,,	×	Ę	प्रवते	गतिकर्मा	2	१४
पृथुज्जया:	पदनाम	8	2	प्रवयाः	पुरागानाम	R	२७
पृथ्वी	पृथिवीनास	8	8	प्राशुः	क्षिप्रनाम	2	१५
पृश्विन:	साधारगानाम	8	8	प्राशुवित्	"	2	१५
पृषत्योमरु-				प्लवते	गतिकर्मा	2	88
ताम्	ग्रादिष्टोपयोः	?	१५	प्साति	***	2	88
	जनानि			फग्ति	7.7	2	88
पेलयति	गतिकर्मा	2	88	फलिगः	मेघनाम	8	20
वेश:		8	2		पदनाम	8	

पदम्	अर्थः अध्यायः	ভ	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्यायः	ख	ण्डम्
बट्	सत्यनाम	3	१०	बुर्बु रम्	उदकनाम	8	83
ब्बतः	पदनाम	8	3	बुसम्	"	8	83
बध:	बलनाम	3	3	बृबदुक्थम्	पदनाम	8	-
-बन्धुः	धननाम	2	90	वृबूकम्	उदकनाम	8	83
बप्सः	रूपनाम	3	9	बृहत्	महन्नाम	3	3
-बप्सित	स्रतिकर्मा	2	5	वृहती	द्यावापृथिवी	3	30
-बब्धाम्	,,	2	5	बृहस्पतिः	पदनाम	X	8
अभस्ति	,,	2	5	वेकनाटान्	,,	8	ą
बर्बु रम्	उदकनाम	8	83	बेकु:	वाङ्नाम	8	88
बर्हिंगा	पदनाम	8	3	बेकुरा	27	8	88
बह्यति	बधकर्मा	2	38	ब्रध्नः	ऋश्वनाम	8	18
·बर्हि:	ग्रन्तरिक्षनाम	8	₹	"	महन्नाम	3	₹
7.7	उदकनाम	8	83	ब्रह्म	उदकनाम	8	83
39	पदनाम	×	2	"	अन्ननाम	2	9
-बहिषत्	महन्नाम	3	3	"	धननाम	7	80
बहिष	7.7	3	3	ब्रह्मग्गस्परि	तेः पदनाम	X	8
बहिष्ठ:	1)	3	3	ब्राह्मगाव	₹-		*
बहुले	द्यावापृथिवी	3	30	' -चारिसा	:-उपमानाम	3	१३
बाध:	बलनाम	2	3	भगः	धननाम	2	80
बाह	बाहुनाम	2	8	,,	पदनाम	X	Ę
बिस्यति	गतिकर्मा	3	88	भग्गति .	श्चर्चतिकमर्१	3	88
-बीरिटे .	पदनाम	8	2	भगायते	1)	n	88
-खुन्द:	7.7	8	3	भनति		*	88
दुर्बु रः	उदकनाम	8	85	भन्दते	33	R	8 %

पद्म्	अर्थ: अध्याय	: र	ण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याय	: ख	ण्डम्
भन्दते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	भूमि:	पृथिवीनाम	8	8
मन्दनाः	पदनाम	8	7	भूरि	बहुनाम	3	8
भरताः	ऋत्विङ्नाम	Ą	१५	भृगवः	पदनाम	x	X.
मरित्रे	बाहुनाम	2	8	भृग्गियते	ऋध्यतिकर्मा	2	85
भरे	संग्रामनाम	2	१७	मृमिः	पदनाम	8	3
भर्म	हिरण्यनाम	8	२	भेषजम्	उदकनाम	8	87
भर्वति	ग्रत्तिकर्मा	7	5	"	सुखनाम	3	€.
भविष्यत्	उदकनाम	3	23	भोजते	ऋध्यतिकर्मा	2	??
भसथः	त्रतिकर्मा	2	5	भोजनम्	धननाम	2	80-
माऋजीव	: पदनाम	8	3	भ्यसते	उत्तराणि		
भानुः	ग्रहर्नाम	8	3		पदानि	3	38
भामः	कोधनाम	2	83	भ्रमति	गतिकर्मा	2	88
भामते	कुध्यतिकर्मा	2	22	भ्राजते	ज्वलतिकर्मा	8	१६
भारताः	ऋत्विङ्नाम	ą	१८	भ्राशते	12	8	१६.
भारती	वाङ्नाम	8	28	भ्राश्यति	77	8	84
भास्वती	उषोनाम	8	5	भ्रीगाति	ऋध्यतिकमी	2	88
भास्वत्यः	नदीनाम	3	83	भ्रेषति	"	2	१२
भ्रण्यति	गतिकर्मा	2	88	भ्लाशते	ज्वलतिकर्मा	8	१६.
भ्रण्युः	क्षिप्रनाम	2	१५	भ्लाशयि	T ,,	8	१६.
भूरिजौ	बाहुनाम	2	8	भ्लाशयते		8	१६
भुवनम्	उदकनाम	8	82		म		
भूः	पृथिवीनाम	8	8	मंश्चतुः	ग्रश्वनाम	8	88
11	म्रन्तरिक्षनाम	8	3	मंश्चतो	"	8	88
भूतम्	उदकनाम	\$	22	मंहते	दानकर्मा	3	20

पदम्	अर्थः अध्या	य: र	वण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्या	य: र	वण्डम्
मक्षु	क्षिप्रनाम	2	१५	मन्द्राजनी	वाङ्नाम	8	88
मख:	यज्ञनाम	3	20	मन्धाता	मेधाविनाम	3	24
मघम्	धननाम	7	80	मन्महे	याश्वाकर्मा	3	38
मज्मना	बलनाम	2	3	मन्यते	कान्तिकर्मा	2	Ę
मण्डूकाः	पदनाम	×	3	,,	श्रर्चतिकर्मा	3	88.
मतयः	मेधाविनाम	3	१४	मन्युः	कोधनाम	2	१३
मतुथाः	"	₹	१५	,,	पदनाम	×	8
मदति	ग्रर्चतिकमी	3	88	ममसत्यम्	संग्रामनाम	2	20.
मदेमहि	याच्ञाकर्मा	3	38	मयः	सुखनाम	3	Ę
मधु	उदकनाम	8	33	मयूखाः	रिशमनाम	8	×
मध्या	पदनाम	8	8	मरीचिपा	: ,,	8	×
मनश्चित्	मेधाविनाम	₹	१५	मरुत:	ऋत्विङ्नाम	3	25
मनामहे	याश्वाकर्मा	3	38	,,	पदनाम	¥	×
मनीषी	मेधाविनाम	ą	84	मरुत्	हिरण्यनाम	8	7
मनुः	पदनाम	×	Ę	"	रूपनाम	3	9
मनुष्याः	मनुष्यनाम	7	₹	मर्ताः	मनुष्यनाम	7	3
"	मेधाविनाम	3	१५	मत्याः	"	2	3
मन्त्रयते	अर्च तिकमा	3	88	मर्दति	गतिकर्मा	2	88
मन्दते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	27	वधकर्मा	2	38
"	अर्च तिकर्मा	ą	88	मर्याः	मनुष्यनाम	2	3
मन्दिने	पदनाम	8	8	मलिम्लुच	: स्तेननाम	3	28
मन्दू	77	8	8	मल्मला-			
मन्द्रयते	ग्रर्चतिकर्मा	3	88	भवन्	ज्वलतोनाम	8	20
मन्द्रा	वाङ्नाम	8	88	मह:	उदकनाम	8	88

पदम्	अर्थः अध्याय	ाः रू	। ण्डम्	पदम्	अर्थ: अध्या	य: ख	ण्डम्
महः	महन्नाम	ą	n*	मिनोति	गतिकर्मा	2	१४
महत्	उदकनाम	8	83	मिनोति	बधकर्मा	2	38
"	महन्नाम	3	3	मिमिढ्ढि	याश्वाकर्मा	3	38
महयति	श्चचितिकमा	ą	88	मिमीहि	"	3	38
महाधने	संग्रामनाम	2	१७	मियक्षति	गतिकर्मा	2	88
महिष:	महन्नाम	3	3	मिस्यति	11	2	88
मही	पृथिवीनाम	8	8	मीढुम्	धननाम	2	20
"	वाङ्नाम	18	88	मील्हम्	,,	2	8 6
"	गोनाम	2	88	मीलहे	संग्रामनाम	2	20
. 11	द्यावापृथिवी-			मुषीवान्	स्तेननाम	3	28
, iii	नाम	ą	30	मूष:	पदनाम	8	8
मांश्चत्वः	ग्रश्वनाम	8	88	मृत्यु:	,,	×	9
माकि:	सर्वपद			मृधः	संग्रामनाम	2	? 19
÷	समाम्नायः	A	22	मेघ:	मेघनाम	8	80
मातरः	नदीनाम	3	83	मेध:	मेधाविनाम	32	23
मायते	याञ्चाकर्मा	nr	38	,,	यज्ञनाम	3	20
माया	प्रज्ञानाम	3	3	मेधा	धननाम	2	80
मायुः	वाङ्नाभ	8	23	मेधा वन	: मेधाविनाम	3	23
मायुकः	ह्रस्वनाम	3	2	मेना	वाङ्नाम	8	28
मार्ष्टि	गतिकर्मा	2	१४	,,	उत्तरागि		
माहिनः	महन्नाम	3	R		पदानि	3	78
मित्रः	पदनाम	×	8	मेनिः	वज्रनाम	2	20
मिनाति	गतिकमी	7	88	मेलि:	वाङ्नाम	8	28
,,,	वधकर्मा	2	38	मेषोभूतो	•		

*	पदम्	अर्थः अध्या	य:	खण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य: ।	वण्डम्
	मि यन्न	यः उपयानाम	3	83	यह्नयः	नदीनाम	8	१३
Ì	मेहना	पदनाम	8	8	याचित	वधकर्मा	2	38
}	मोकी	रात्रिनाम	8	હ	यातयति	वधकर्मा	2	38
	म्यक्षति	गतिकमी	2	88	याति	गतिकर्मा	2	88
		य			याद:	उदकनाम	?	१२
	यज्ञ:	यज्ञनाम	3	१७	यादुः	"	8	23
	यतते	गतिकर्मा	3	88	यादृश्मिन्	पदनाम	8	3
	यतस्रुचः	ऋत्विङ्नाम	3	१5	यामि	याश्वाकर्मा	3	38
	यदव:	मनुष्यनाम	2	3	यावति	वधकर्मा	2	38
	यन्तारः	याश्वाकमी	3	38	युगत्	क्षिप्रनाम	2	8 %
	यन्ति	"	R	38	युध्यति	गतिकर्मा	2	88
	यन्धि	"	3	38	युध्यते	1,	2	88
	यम:	पदनाम	×	8	योक्त्रागि	ग्रङ्गुलिनाम	2	×
	"	"	x	Ę	योजनानि	"	2	×
•	यमी	पदनाम	x	×	योनिः	उदकनाम	3	83
	यम्या	रात्रिनाम	8	9	,,	गृहनाम	3	8
	यव्याः	नदीनाम	8	१३	योशिष्टि	गतिकमा	2	88
2	यश:	उदकनाम	8	82	योषिष्टि	,,	2	88
	"	अन्नाम	2	9	यौति	ग्रर्चतिक र्मा	3	88
	11	धनदाम	2	90		₹		
	यह:	उदकनाम	8	82	रंसु	पदनाम	8	3
	* *	वलनाम	2	3	रंहति	गतिकर्मा	2	
	यहु:	श्रपत्यनाम	2	२		रात्रिनाम	8	U
	यह्नः	महन्नाम	3	₹	"	पदनाम	8	8

पदम्	अर्थः अध्याय	ख	ण्डम्	पदम् अर्थः अध्यायः खण्डम्
रजति	गतिकर्मा	2	१४	राजित ऐश्वर्यकर्मा २ २१
रजयति	श्चर्यतिकर्मा	R	88	राति गतिकर्मा २ १४
रजसी	द्यावापृथिवीनाम	3	३०	राति दानकर्मा ३ २०
रञ्जयति	श्चर्यतिकर्मा	3	88	रात्रिः पदनाम ५ ३
रगः:	संग्रामनाम	7	१७	राधः धननाम २ १०
रत्नम्	धननाम	2	१०	राम्या रात्रिनाम १ ७
रथ:	पदनाम	X	3	रायः धननाम २ १०
रथर्यति	गतिकर्मा	2	88	राष्ट्री ईश्वरनाम २ २२
"	पदनाम	8	3	रासः वाङ्नाम १ ११
रभसः	महन्नाम	3	₹	रासति दानकर्मा ३ २०
रम्गाति	वधकर्मा	2	38	रासभाव- स्रादिष्टोप-
रम्भः	उत्तरागि			श्विनोः योजनानि १ १५
	पदानि	3	35	रास्पिनः पदनाम ४ ३
रम्या	रात्रिनाम	8	9	रिकथम् धननाम २ १०
रिय:	उदकनाम	8	83	रिक्वा स्तेननाम ३ २४
"	धननाम	7	80	रिगाति गतिकर्मा २ १४
रशनाः	ग्रङ् गुलिनाम	7	x	रिण्वति ,, २ १४
रश्मय:	रिश्मनाम	8	X	रितक्वा स्तेननाम ३ २४
रश्म्य:	2.7	8	×	रिप: पृथिवीनाम १ १
रसः	वाङ्नाम	8	88	रिपु: स्तेननाम ३ २४
"	उदकताम	8	85	रिभ्वा "
13	ग्र नाम	2	9	रिरिढ्ढ याञ्चाकर्मा ३ १६
रसति	श्चर्चतिकर्मा	3	88	रिरोहि " ३१६
राका	पदनाम	X	×	रिशादसः पदनाम ४ ३

"पदम्	अर्थै: अध्यार	पः र	उडम्	पदम्	अर्थः अध्याय	: •	ण्डम्
रिहति	ग्रर्चतिकर्मा	R	१४	रोदसी	द्यावापृथिवी-		
'रिहम्	ह्रस्वनाम	3	2		नाम	3	30
रिहायाः	स्तेननाम	3	२४	रोधचकाः	नदीनाम	8	83
रिह्वा	"	3	२४	रोदसी	पदनाम	×	X
रीयते	गतिकमा	2	88	रोधसी	द्यावापृथिवी-		
रुवमम्	हिरण्यनाम	8	2		नाम	n	30
रुजानाः	नदीनाम	8	83	रोधस्वत्यः	नदीनाम	8	23
"	पदनाम	8	2	रोहित:	,,	8	83
रुद्र:	स्तोतृनाम	3	१६	11	ग्रङ्गुलिनाम	2	x
,,	पदनाम	x	8	रोहितोऽग्ने	म्रादिष्टोपयोज	.8	१४
रुद्राः	**	x	×	रौति	स्रर्चतिकर्मा	R	88
रुशत्	71	8	3	रोहिगाः	मेघनाम	8	20
रुल्हति	गतिकर्मा	7	88		ल		
रेक्गाः	धननाम	2	80				
रेजति	गतिकर्मा	2	88	लजित	गतिकर्मा	7	88
रेजते	उत्तरागि			लोटते	,,	3	88
	पदानि	3	35	लोठते	19	3	88
रेत:	उदकनाम	?	23	लोधम्	पदनाम	8	8
रेभ:	स्तोतृनाम	3	१६	लोहम्	हिरण्यनाम	8	3
रेभति	ग्रचंतिकर्मा	3	88		व		
रेलते	ऋध्यतिकर्मा	2	१२	वक्षः	पदनाम	8	2
रेवत्यः	नदीनाम	8	83	वक्षगाः	नदीनाम	8	१३
न्दैवतः	मेघनाम	8	90	वग्नु:	वाङ्नाम	8	28
रोचते	ज्वलतिकर्मा	8	१६	वज्रः	वज्रनाम	3	20

	पदम्	अर्थः अध्या	य; र	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्य	ायः ख	। पडम्
	वञ्चति	गतिकर्मा	2	88	वराहः	पदनाम	8	₹:
	वदति	,,	2	88	वरिवः	धननाम.	. 7	80
	वध:	बलनाम	?	3	वरुगः	पदनाम	×	8:
	,,	वज्रनाम	2	20	17	,,	×	6
	वध्वः	नदीनाम	3	23	वरूथम्	गृहनाम	3	8:
	वनम्	रिमनाम	8	×	वर्गः	बलनाम	2	3
	,,	उदकनाम	8	83	वर्चः	श्र त्रनाम	3	9:
	वनर्गु:	स्तेननाम	R	28	वर्तते	गतिकर्मा.	2	88.
	वनस्पतिः	पदनाम	×	2	वर्षः	रूपनाम	3	9.
	वन्ष्यति	ऋध्यतिकर्मा	2	22	वर्म	गृहनाम	3	8.
	17	पदनाम	8	2	वर्यः	नदीनाम	8	\$ 3.
ŧ,	वनोति	कान्तिकर्मा	२	Ę	वर्हयति	वधकर्ण	2	38
-0	वन्दते	ग्रर्चतिकर्मा	a	88	वल:	मेघनाम		8 0-
	वपु:	उदकनाम	8	85	वलाहकः	, ,	8	8.0
	11	रूपनाम	3	9	विलिशानः	3 %	8	800
	वस्रक:	ह्रस्वनाम	3	2	वल्गुः	वाङ्नाम	8	? ?:
	वस्रीभिः	उत्तराशि			वल्गूयति	गतिकमा	2	88
		पदानि	3	35	"	श्चर्च तिकमी	3	88.
;	वयाः	श्रनाम	ą	9	वविक्षथः	महन्नाम	3	*
;	वयुनम्	प्रशस्यनाम	3	5	वव्र:	कूपनाम	3	₹
	"	प्रज्ञानाम	ą	3	वि्र:	रूपनाम	3	(3)
	23	पदनाम	8	. 3	विश्म	कान्तिकर्मा	2	Ę
•	बर :	कोधनाम	2	23	विष्ट	11	2	€.
	ग्राह ः	मेघनाम	8	20	वसवः	रश्मिनाम	9	×

पद्म्	अर्थः अध्याय	: खण	डम्	पदम्	अर्थः अध्यार	यः खण	डम्
वसव:	पदनाम	¥.	Ę	वाजिनीवती	उषोनाम	8	5
वसी	रात्रिनाम	8	9	वाजी	ग्रश्वनाम	8	88
वसु	1)	8	9	वाजे	संग्रामनाम	3	80.
,,	धननाम	2	20	वाञ्छति	कान्तिकर्मा	2	€ -
वस्तोः	भ्रहनीम	8	3	वागाः	वाङ्नाम	8	88
वस्वा	रात्रिनाम	3	9	वागाी	,,	8	88
वस्वी	रात्रिनाम	8	9	वागाीची	,,	8	88
वहते	गतिकर्मा	2	88	वातः	पदनाम	X	8
विह्निः	ग्रश्वनाम	8	88	वातरंहाः	क्षिप्रनाम	2	88
वाः	उदकनाम	8	83	वाताप्यम्	पदनाम	8	3
वाक्	वाङ्नाम	8	88	वाति	गतिकर्मा	2	88.
	पदनाम	×	×	वामः	प्रशस्यनाम	3	=
वाधतः		3	8 %	वायुः	पदनाम	x	8
	ऋत्विङ्नाम	3	१=	वारि	उदकनाम	8	85.
" वास्ट	रति: पदनाम	¥	8	वार्यम्	पदनाम	8	3
वाजः	ग्रन्नाम	2	9	वार्यागाम्	ग्रश्वनाम	8	88
	बलनाम	2	3		नदीनाम	8	83
ग्र स्टास्ट		8	2	वावशानः	पदनाम	8	2
	ध्यम् पदनाम	8	2	वाशी	वाङ्नाम	8	88
वाजप					पदनाम	8	8;
वाजय		2	20	वासरम्	ग्रहर्नाम	8	3
वाजस		7		The second secon	तः पदनाम	¥	8
वाजिन		X				8	8
	नवती उषोनाम	8	5	वाहः	11	8	₹.
वाजि	नी "	8	5	वाहिष्ठः	22		

पद्म्	अर्थः अध्यार	T:	खण्डम्	पदम्	अर्थ: अन्या	य:	खण्डम्
विखाद:	संग्रामनाम	-	१७	विभाः	श्रङ्गुलिना	म २	,
विग्र:	मेधाविनाम	n,	१५	वियत्	अन्तरिक्षना		9
विचर्षिएः	पश्यतिकर्मा	3	28	वियातः	वधकर्मा	2	8 8
विचष्टे	***	411	88	वियुते	पदनाम	8	8
विजामातुः	पदनाम	8	3	विरप्शी	महन्नाम	*	nr.
विट्	बलनाम	2	3	विवक्षसे	महन्नाम	з	n.
वित्तम्	धननाम	2	80	विवस्वन्तः	मनुष्यनाम	2	77
विदथ:	यज्ञनाम	3	१७	विवाक्	संग्रामनाम	7	१७
विदथानि	पदनाम	X	, 3	विवासति	परिचरगाकम	f ą	¥
विद्रधे		×		विश:	मनुष्यनाम	2	7.7
विधाता	'' मेधाविनाम	, n	0 11	विश्वकर्मा	पदनाम	X	8
1771(11		₩ :	8 %	विश्वचर्षाग	: पश्यतिकर्मा	Ŗ	88
"	पदनाम	X	×	विश्वम्	बहुनाम	34	8
विधेम	परिचरग्गकर्मा	3	y	विश्वरूपा	आदिष्टो-		
विनङ्गृसौ		3	8	बृहस्पते:	पयोजनानि	8	8 4
विपः	अङ्गुलिनाम	?	X	विश्वानरः	पदनाम	×	¥
"	मेधाविनाम	3	१५		,,	y	Ę
विपन्यवः	"	3	१५	विश्वे देवाः		¥	Ę
विपन्युः	मेधाविनाम	3	१५	विषस्धिः	मेघनाम	9	80
विपश्चित्	11	7	१५	विषम्	उदकनाम	8	१२
विपा	वाङ्ना म	8	88	विषिष्टि	गतिकर्मा	2	88
विपाट्छुनुद्र	ो पदनाम	x	3	विषुग्:	पदनाम	8	8
विप्रः	मेधाविनाम	7	१५	विष्टपम्	साधारणनाम	8	8
विभावरी	उषोनाम	8	5	विष्टी	कर्मनाम	2	8

पदम्	अर्थः अध्याय	ाः ख	ग्डम्	पद्म्	अर्थः अध्याय	r: ख	ण्डम्
विष्ट्वी	कर्मनाम	2	8	वृन्दम्	पदनाम	8	3
विष्गु:	यजनाम	3	१७	वृश:	ग्र ङ्गुलिनाम	2	X.
11	पदनाम	8	2	वृश्चति	वधकर्मा	2	39
12	,,	¥	Ę	,,,	दानःकर्मा	m	20
विष्पितः	19	8	3	वृषन्धिः	मेघनाम	?	80
विसति	कान्तिकर्मा	२	Ę	वृषभ:	पदनाम	¥	3
विस्रुहः	पदनाम	8	त्र	वृषाकपायी	"	X	Ę
विहायाः	महन्नाम	3	a	वृषाकिप:	"	X	Ę
वीजम्	स्रपत्यनाम	2	2	वेकु:	वाङ्नाम	8	88
वीरुधः	पदनाम	8	3	वेति	कान्तिकर्मा	2	Ę
वीलु	बलनाम	2	3	"	स्रतिकर्मा	2	5
वृक:	वज्रनाम	2	20	"	गतिकर्मा	7	88
"	स्तेननाम	3	28	वेद:	धननाम	2	90
वृक:	पदनाम	8	2	वेधाः	मेधाविनाम	3	8 %
- वृक् -	बलनाम	2	3	वेनः	मेधाविनाम	3	8 %
- '	ऋत्विङ्नाम	ą	१५	17	यज्ञनाम	R	१७
वृक्षस्य नुते <u>प</u>				"	पदनाम	x	8
रुहतवयाः	नाम	३	83	वेनित	कान्तिकर्मा	7	Ę
वुजनम्	बलनाम	2	3	11	गतिकर्मा	2	88
वृश क्ति	वधकर्मा	2	38	,,,	श्चर्चतिकर्मा	3	88
चृतम्	धननाम	2	80	वेपः	कर्मनाम	2	8
वृत्रः	मेघनाम	8	80	वेवेष्टि	ग्रत्तिकर्मा	2	5
वृत्रतूर्य <u>े</u>	संग्रामनाम	2	१७	वेश:	कर्मनाम	2	8
बृत्रम्	धननाम	2	80	वेशति	कान्तिकर्मा	3	Ę

पद्म्	अर्थः अध्या	य: स	वण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	य: स	वण्डम्
वेशिष्टि	गतिकर्मा	2	१४	व्रिश:	ग्र ङ्गुलिनाम	1 2	×
वेष:	कर्मनाम	2	8		श		
वेषिष्टि	गतिकर्मा	2	88	शंयो:	पदनाम	8	8.
वेष्टि	कान्तिकर्मा	2	Ę	शंसति	स्रर्चतिकर्मा	3	88
वेसति	11	3	Ę	शंसनत्	कान्तिकर्मा	2	8
वैतसः	उत्तराणि			शकम्	उदकनाम	8	83
	पदानि	3	35	शकुनि:	पदनाम	×	3
वैश्वानरः	पदनाम	x	8	शक्तिः	कर्मनाम	2	8.
व्यथि:	कोधनाम	2	१३	शक्म	1)	2	8:
व्यथ्ययः	श्रश्वनाम	8	88	शक्मम्	,,	2	8:
व्यन्तः	पदनाम	8	8	शक्वरी	बाहुनाम	2	8.
व्यानिशः	बहुनाम	3	8	73	गोनाम	2	88
व्योम	श्रन्तरिक्षनाम	8	3	शग्धि	याच्ञाकर्मा	3	38
33	दिङ्नाम	8	Ę	श्रम	कर्मनाम	2	8:
"	उदकनाम	8	88	शग्मम्	सुखनाम	3	E
व्रज:	मेघनाम	8	80	शग्म्यम्	,,	3	€.
व्रजति	गतिकर्मा	7	88	शची	वाङ्नाम	8	88
व्रतम्	कर्मनाम	2	8	,,	कर्मनाम	3	2.
व्रन्दी	पदनाम	8	2	"	प्रज्ञानाम	ą	3
त्रा ः	"	8	2	शतम्	बहुनाम	7	8
त्राताः	मनुष्यनाम	2	₹	शतरा	सुखनाम	7	5
व्राधत्	महन्नाम	3	ą	शब्द:	वाङ्नाम	8	88
व्राधन्		३	त्र	शमी	कर्मनाम	2	8
व्राधम्	"	ą	₹	शम्	सुखनाम	3	Ę,

'पदम्	अर्थः अध्यायः	ख	ण्डम्	पदम्	अर्थः अध्या	यः ख	ण्डम्
शम्नाति	वधकर्मा	3	38	शाशदानः	पदनाम	8	3
णम्ब:	पदनाम	8	2	शिक्षति	दानकर्मा	3	20
शम्बर:	मेंघनाम	8	90	शिताम	पदनाम	8	8
शम्बरम्	उदकनाम	8	85	शिपिविष्ट:	27	8	7
,,	बलनाम	2	3	शिप्रे	,,	8	8
शरगम्	गृहनाम	3	8	11	,,,	8	3
शरारुः		8	3	शिमी	कर्मनाम	₹.	8
अर्घ:	बलनाम	2	3	शिम्बाता	सुखनाम	3	Ę
शर्म	गृहनाम	3	8	शिरिगा	रात्रिनाम	8	9
,,	सुखनाम	3	Ę	शिरिम्बिठ:	पदनाम	8	3
ार्याः	ग्र ङ्गुलिनाम	2	×	शिलगृ:	सुखनाम	3	Ę
21		8	2	शिल्पम्	कर्मनाम	5	8
श्चिरी	रात्रिनाम	8	9	11	रूपनाम	3	9
श्व:	उदक्ताम	8	88	शिवम्	सुखनाम	3	Ę
	बलनाम	2	3	शिशीते	पदनाम	8	8
1.5	धननाम	2	80	शिष्यम्	रूपनाम	3	9
शवति	गतिकर्मा	2	88	शीभम्	क्षिप्रनाम	7	8 %
शवति	परिचरणकर्मा	3	×	शीरम्	पदनाम	8	8
अशमानः	श्चर्चतिकर्मा	3	88	गु	क्षिप्रनाम	8	8 %
27	पदनाम	8	R	शुक्रम्	उदकनाम	8	85
श्यत्	बहुनाम	7	8	शुघनसाः	क्षिप्रनाम	3	8 %
श्रष्यम्	रूपनाम	R	la	शुनम्	शुखनाम	3	દ
शाखाः	ग्रङ्गुलिनाम	?	×	शुनासीरी	पदनाम	×	3
्यातपन्ता	सुखनाम	a	ξ	गुभम्	उदकनाम	8	83

पदम्	अर्थः अध्यार	य: र	वण्डम्	पद्म्	अर्थः अध्या	यः खण्ड
शुरुधः	पदनाम	8	1 3	श्यावाः	म्रादिष्टोप	
शुष्णम्	बलनाम	3	3 8	सवितुः	योजनानि	8 8
शुष्मम्		2	3	श्यावी	रात्रिनाम	8
श्रु:	क्षिप्रनाम	2	१४	श्येन:	पदनाम	×
शूघनाः	,,	3	8 %	श्येनासः	श्रश्वनाम	8 8.
शूघनाशः	,,	3	28	श्रत्	सत्यनाम	3 8
शूघनास:	,,	2	१४	श्रयति	वधकर्मा	2 88
शूरसातौ	संग्रामनाम	2	80	श्रद्वा	पदनाम	X :
श्रुत:	क्षित्रनाम	2	१५	श्रव:	श्रनाम	7 (
शूषम्	बलनाम	2	3	,,	धननाम	2 %
शूषम्	सुखनाम	3	Ę	श्रायन्त:	पदनाम	8
श्रुङ्गाणि	ज्वलतो नाम	8	90	श्रीसा	रात्रिनाम	2 4
शृगाति	वधकर्मा	3	38	श्रुष्टी	पदनाम	8 3
शेप:	उत्तराणि			श्लथति	वधकर्मा	38 8
	पदानि	3	38	श्लोकः	वाङ्नाम	8 8 8
शेवम्	सुखनाम	3	Ę	श्वन्नी	पदनाम	8 3
शेवृधम्	**	3	Ę	श्वसति	वधकर्मा	38 8
शेषः	अपत्यनाम	2	7	श्वसिति	, ,	3 9 8
शोकी	रात्रिनाम	8	Ę	श्वात्रति	गतिकर्मा	2 88
शोचित	ज्वलतिकर्मा	8	१६	श्वात्रम्	धननाम	2 80
शोचिः	ज्वलतो नाम	8	१७	श्चात्रम्	पदनाम	8 3
श्चोतित	गतिकर्मा	2	88	श्वेंत्या	उषो नाम	2 5
श्रथति	वधकर्मा	7	38		ष	7
श्मशा	पदनाम	8	2	ष:कति	गतिकर्मा	2 88:

पदम्	अर्थः अध्यायः	ख	डम्	पद्म्	अर्थः अध्यायः	ख	ग्डम्
ष्वःकति	गतिकमी	2	१४	सतीकम्	उदकनाम	8	82.
ष्वष्कति	,,	2	88	सतीनम्	,,	8	82
	स			सत्	,,	8	83.
संयत्	संग्रामनाम	7	१७	सत्यम्	"	8	83
संयुगे	, ,	2	१७	सत्रा	सत्यनाम	3	80
संवतः	,,	2	१७	सदनम्	उदकनाम	8	82.
संवतम्	,,	2	१७	सदसी	द्यावापृथिवी-		
सक्षति	गतिकर्मा		88		नाम	*	30.
सगर:	श्रन्तरिक्षनाम	8	3	सदान्वे	पदनाम	8	₹.
सगरम्	,,	8	3	सद्म	उदकनाम	8	83
सग्मन्	संग्रामनाम	2	१७	,,	संग्रामनाम	2	20
सङ्काः	,,	2	१७	,,	गृहनाम	3	8
सङ्खे	2.9	2	१७	सद्मनी	द्यावापृथिवी-		
सङ्ख्ये	,,	2	१७		नाम	R	30.
सङ्गर्थ	, •		१७	सधे	95	*	30
सङ्गम	39	2	१७	सनाभय:	ग्र ङ्गुलिनाम	2	4
सङ्गे	,,		१७	सनुत:	निर्णीतान्त-		
सचिति	गतिकर्मा		88		हितनाम	m	24:
सचते	उत्तराणि			सनेमि	पुराग्नाम	m	20
	पदानि	3	35	सपति	परिचरगाकम	3	¥ .
सचा	पदनाम	8	2	**	श्चर्वतिकर्मा	R	88
सत:	उत्तराणि			सपर्यति	परिचरणकर्मा	n	x .
	पदानि	72	38	सप्तऋषय	रिश्मनाम	9	y
सतिनम्	उदकनाम		83	,,,	पदनाम	u	C

षद्म्	अर्थः अध्याय	: ব	ण्डम्	पदम्	अर्थः अ	थायः ख	ण्डम्
सप्तिः	स्रश्वनाम	8	88	सरस्वान्	पदनाम	¥	8
सप्रथा:	पदनाम	8	3	सरित:	नदीनाम	8	23
सदाधः	ऋत्विङ्नाम	3	8=	सरिरम्	बहुनाम	ą	8
समत्सु	संग्रामनाम	2	१७	सर्गाः	उदकनाम	?	83
समनम्	2 2	2	१७	संगिकम	् उदकत। म	8	97
समनोके	,,	3	१७	सर्पति	गतिकर्मा	Į,	88
समरएो	,,	2	१७	सर्विः	उदकनाम	8	83
समर्थे	,,	7	१७	सर्वम	,,		१२
समस्य	पदनाम	8	2	समृ ते	गतिकर्मा		88
समिति:	संग्रामनाम	2	90	सललूकम	पदनाम	8	3
समिथे	,,	2	१७	सलिलम्		?	23
- समीके	,,	2	8.0	,,	बहुनाम	3	8
समीथे	1,	2	१७	सवनम्	यज्ञनाम	R	20
समुद्र	ग्रन्तरिक्षनाम	8	3	सविता	पदनाम	×	8
3	पदनामः	x	ę	"	,,,	×	Ę
समोहे	संग्रामनाम	2	१७	सवीमनि	,,	8	3
सम्मोहे	,,	2	20	सश्चति	गतिकर्मा	2	88
सर:	वाङ्नाम	8	88	ससम्	अन्ननाम	7	9
	उदकनाम	8	82	"	पदनाम	8	3
सरण्यू	पदनाम	y	દ્	सस्ति	स्वपितिकम	ि	22
सरमा		y	·×	सस्त्रिम्	पदनाम	8	7
सरस्वती	ग,	0		सस्त्रति	गतिकर्का	2	88
सरस्यता	वाङ्नाम	2	\$ \$	सस्वतः	नदीनाम		8 3
))	पदनाम	4	2	सस्वः	निर्गीतान्त-		
सरस्वत्यः	नदीनाम	<	83		हितनाम	3	२५

पदम्	अर्थः अध्याय	: खण्ड	म्	पद्म्	अर्थः अध्यायः	ख	डम्
सहः	उदकनाम .	8 8	3	सुकम्	सर्वपदसमा-		
सहः	बलनाम	3	3		म्नायः	3	83
सहस्रम	बहुनाम	3	8	सुक्षेम	उदकनाम	8	83
साचिवित्	7 2 7 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	2 8	X	सुक्षेमा	,,	8	83
साचीवत्	10	2 8		सुक्षोम	,,	8	83
साचीवित्		2 8	2×	सुखम्	,,	8	83
साध्याः	रिश्मनाम	8	x	सुरम्यम	सुखनाम	3	Ę
,,	पदनाम	×	Ę	सुत:	ग्रन्नाम	2	9
सायकः	वज्रनाम	2:	20	सुतम्	**	2	9
सिनम्	म्रन्नाम	2	9	सुतुकः	पदनाम	8	. 8
,,	पदनाम	8	2	सुत्	स्तोतृनाम	3	१६
सिनीवार्ल		×	¥	सुदत्रः	पदनाम	8	3
सिन्धव:	नदीनाम	8	£ 9	सुदिनम्	सुखनाम	3	Ę
सिरा	उदकनाम	8 1		सुनीय:	प्रशस्यनाम	₹	5
सिषक्ति	उत्तराणि			सुपर्गः	पदनाम	x	8
	पदानि	3	35	सुपर्गा	वाङ्नाम	8	28
सिवक्त	उत्तराणि		,,	सुपर्गाः	रिश्मनाम	8	×
	पदानि	3	35	,,,	ग्रश्वनाम	8	88
सिसति	गतिकर्मा	2		सुवर्णी	वाङनाम	8	88
सिस्रति	,,	₹ :		सुप्रायगाः		8	8
सीनम्	मन्नाम	2	9	सुमत्	**	8	3
सीम	पदनाम	8	2	सुम्नम	सुखनाम	3	Ę
सीयते	गतिकर्मा	2		सुमावरी	उषो नाम	8	5
सीराः	नदीनाम	8		सुरा	उदकनाम	8	22

**

सुविते	पदनाम	8	8	स्तामुः	स्तोतृनाम	3	38
सुविदत्रः		8	3	स्तिपाः	पदनाम	8	3
सुशिप्रः	पदनाम	8	. 3	स्तियानाम	पदनाम	8	3
सुहस्त्याः	ग्रङ्गुलिनाम	2	×	स्तुप्	स्तोतृनाम	3	86
सूद:	क्पनाम	3	23	स्तृगाति	वधकर्मा	3	38
सूनरी	उषो नाम	8	5	स्तृमिः	उत्तरांगि पदा	नि३	35
सूनुः	ग्रपस्यनाम	2	2	स्तोमति	श्रचंतिकर्मा	3	8
सूनृता	उषो नाम	8	5	स्तौति	,,	3	88
,,	ग्रन्नाम	7	9	स्नेहति	वधकर्मा	2	38
पूनृतावती	उषो नाम	9	5	स्नेहयति	,,	2	38
पूनृतावरी	,,	8	5	स्पग्मन्	संग्रामनाम	2	१७
पूरा	उदकनाम	8	83	स्पृष:		2	80
यूरिः	स्तोतृनाम	3	१६	स्फुरति	वधकर्मा	2	38
पूर्त	पदनाम	8	3	स्फुलति	,,	?	38
पूर्य:	79	×	Ę	स्यन्दति	गतिकर्मा	3	88
नूर्या	वाङ्नाम	8	28	स्यन्दते		2	88
"	पदनाम	×	Ę	स्यन्द्रासः	बलनाम	7	3
वृकः	वज्रनाम	7	२०	स्यमति	गतिकर्मा	7	88
वृश्यिः	पदनाम	8	2	स्यूमकम्	सुखनाम	3	Ę
वृत्रः	,,	8	₹	स्योनम्	17	3	Ę
मेघति	गतिकर्मा	3	88	स्रंसति	गतिकर्मा	2	88
तोमः	पदनाम	×	×	स्र"सते	71	?	88
तोमानम्	,,	8	. 3	स्रवति	,,	?	88
तोमां ग्रक्षा	: ,,	8	2	स्रवन्त्य:	नदीनाम	8	23

पदम्	अर्थः अध्यायः खण्डम्			षद्म्	अर्थः अध्यायः खण्डा			
स्रोतः	उदकनाम	8	88	स्वस्तिः	पदनाम	×	×	
स्रोत्याः	नदीनाम	8	23	स्वाहा	वाक नाम	8	22	
स्व:	साधारगानाम	8	8	स्वाहा-		,		
1.	उदकनाम	8	25	कृतयः	पदनाम	×	2	
स्वश्वाः	पदनाम	8	2	स्वृतीकम्	उदकनाम	8	22	
स्वदति	ग्रचंतिकर्मा	3	88		₹			
स्वधा	उदक्ताम	8	83	हंसास:	श्रश्वनाम	?	88	
"	ग्र न्नाम	2	9	हिंग:	ज्वलतो नाम	8	20	
स्वधिति:	वज्रनाम	2	20	हनति	गतिकर्मा	2	88	
स्वधे	द्यावापृथिवी-			हन्तात्	.,	٠٦.	88	
	नाम	3	30	हन्ति	**	7	88	
स्वन:	वाङ्नाम	8	28	हम्मति	•	2	88	
स्वपिति	ग्रचंतिकर्मा	3	88	हम्यति	,,	2	88	
,,	स्वपितिकर्मा	3	22	हय:	ग्रश्वनाम	8	88	
स्वयम्भू:	अन्तरिक्षनाम	8	R	हयति	गतिकर्मा	2	88	
स्वरः	वाङ्नाम	8	28	हयन्तात्	,,	2	88	
स्वरति	गतिकर्मा	2	88	हर:	ज्वलतो नाम	8	20	
11	श्रचेतिकर्मा	3	88	3.	कोघनाम	2	. 2.3	
स्वर्णीकम्	उदकनाम	8.	85	,,	पदनाम	8	8	
स्वसराणि	ब्रहर्नाम	8	3	हरयः	मनुष्यनाम	2	3	
"	गृहनाम	3	8	हरयागः	पदनाम	8	2	
**	पदनाम	8	2	हरस्वत्यः	नदीनाम	8	83	
स्वसार:	ग्रङ् गुलिनाम	2	×	हरित:	दिक् नाम	8	Ę	
स्वस्ति	स्विपतिकर्मा	3	22	7.7	नदीनाम	8	3	

पद्म्	अर्थः अध्याय	ख्	उस्	पदम्	अर्थ: अध्याय	: स्त्र	ग्डम्	
हरित:	ग्रक गुलिनाम	٦.	¥	हुरश्चित्	स्तेननाम	3	२४	
हरित	म्रादिष्टोपयो-				ज्वलतो नाम	8	29	
मादित्यस्य	जनानि	8	24	,,	कोधनाम	?	83	
हरी इन्द्रस्य	T ,,	?	84	हणीयते	त्र्ध्यति कर्मा	3	83	
हम्यंम	गृहनाम	3	8	हेति:	व ज्ञनाम	3	20	
हर्यति	कान्तिकर्मा	2		'हेम	हिरण्यनाम	8	3	
हर्यति	गतिकर्मा	2	88	,,	उदकनाम	8	83	
हवि:	उदकनाम	8	22	हेमा	हिरण्यनाम	8	3	,
हविधाने	पदनाम	×	3	,,	उदकनाम	8	83	
हस्तघः	,,	×	3	हेच:	कोधनाम	3	83	
हासमाने	,,	8	₹.	हेब्ते	ऋध्यतिकर्मा	3	83	
हिकम् स	वंपदसमाम्नाय:	a	23	होत्रा	वाक नाम	8	88	
	ब दनाम	X	ą	,,	यज्ञनाम	3	80	
हिम :	रात्रिनाम	8	9	हस्व:	हस्वनाम	3	3	
हिमा	,,	8	e	ह्यति	ग्रस्तिकर्मा	2	5	
हिरण्यम्	हिरण्यनाम	8	2	ह्यति	ग्रचंतिकर्मा	3	88	
हिरण्य-				ह्यते	,,	3	88	
वर्णाः	नदोनाम	8	83	ह्नरः	कोधनाम	2	83	
हिरुक्	निर्गीतान्त-			ह्नरति	ग्रतिकर्मा	2	5	
	हितनाम	3	२५	1.00	म् ग्रश्वनाम	8	88	